छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351
डाक पंजीयन क्र. 046/Surguja Dn/2024-26
वर्ष - 05 अंक - 303 बैकुंठपुर, शनिवार 13 सितम्बर 2025 पृष्ठ -8 मूल्य -1
www.cgfrontline.com

नवीन शासकीय कन्या महाविद्यालय में रजत जयंती महोत्सव पर राज्य स्तरीय संगोष्ठी एवं दीक्षारंभ कार्यक्रम

ज्ञान, संस्कृति और आत्मविश्वास से रचेगा छत्तीसगढ़ का उज्ज्वल भविष्य

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। नवीन शासकीय कन्या महाविद्यालय मनेंद्रगढ़ में छत्तीसगढ़ राज्य की रजत जयंती महोत्सव 2025 के अवसर पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय संगोष्ठी और दीक्षारंभ कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ, जिसका विषय कल, आज और कल रखा गया। समारोह का शुभारंभ भारतमाता, मां सरस्वती और छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसके बाद छात्राओं ने छत्तीसगढ़ महतारी की आरती कर पूरे वातावरण को परंपरा, संस्कृति और गौरव से भर दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार गिरीश पंकज, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रामकिंकर पाण्डेय, विशिष्ट जनप्रतिनिधि और अतिथि उपस्थित रहे जिनका पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया।

नव प्रवेशी छात्राओं का पारंपरिक चंदन तिलक लगाकर अभिनंदन किया गया। जिससे उनकी नई शैक्षणिक यात्रा का विशेष महत्व प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन संयोजक एवं इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. वर्षा तिवारी ने कुशलतापूर्वक किया। प्राचार्य डॉ. पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि बेटियों की शिक्षा ही समाज की असली ताकत है और कल्पना चावला जैसी विभूतियाँ इसका प्रेरक उदाहरण हैं। उन्होंने महाविद्यालय की प्रगति का उल्लेख करते हुए बताया कि वर्ष 2023 में लेदरी से मात्र 9 छात्राओं के साथ प्रारंभ हुआ। यह संस्थान आज तीसरे वर्ष में प्रवेश कर 52 छात्राओं को शिक्षा प्रदान कर रहा है और अमली गोलाई में इसके लिए भव्य कैंपस हेतु भूमि आवंटित हो चुकी है। संगोष्ठी के प्रमुख वक्ताओं में नीलू जायसवाल ने कहा कि आने वाला कल संघर्ष और परंपरा की धरोहर है, आज उपलब्धियों का प्रतीक है और भविष्य हमारी जिम्मेदारी है, वहीं धर्मेंद्र पटवा ने शिक्षा को समाज और राष्ट्र की दिशा बदलने वाली शक्ति बताया तथा राज्य सरकार के विजन 2027 का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का संकल्प ही छात्राओं का भविष्य उज्ज्वल करेगा। छत्तीसगढ़ राज्य केवल अन्नगर्भा नहीं है बल्कि रत्नगर्भा भी है। रश्मि सोनकर ने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ केवल धान का कटोरा ही नहीं बल्कि शिक्षा और संस्कृति और खनिजों की धनी भूमि है और आज छात्राओं को आत्मनिर्भरता तथा आधुनिकता के साथ समाज में अपनी पहचान बनानी होगी।

इसी क्रम में वीरेंद्र श्रीवास्तव ने छात्राओं की शिक्षा को जीवन की असली दिशा बताते हुए विश्वास जताया कि हमारी बेटियाँ न केवल पढ़ाई बल्कि साहित्य, लेखन और रचनात्मकता में भी अपनी प्रतिभा से जिले और राज्य का नाम रोशन करेंगी। उन्होंने कहा कि मनेंद्रगढ़ की धरती शिक्षा, प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक धरोहर की धनी है। यहाँ की हरी-भरी वादियाँ, पहाड़, झरने और हरचौका, हसदेव नदी से लेकर लगभग 29 करोड़ वर्ष पुराने गोंडवाना मरीन फॉसिल्स पार्क तक की ऐतिहासिक और वैज्ञानिक महत्ता हमारे जिले को छत्तीसगढ़ का अनमोल रत्न बनाती है। उन्होंने कहा कि मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला अपनी संस्कृति, प्राकृतिक सुंदरता और युवाओं की प्रतिभा के बल पर आने वाले समय में पूरे प्रदेश के लिए एक आदर्श उदाहरण बनेगा। इस संगोष्ठी ने न केवल छात्राओं को शिक्षा, संस्कृति और महिला सशक्तिकरण का महत्व समझाया बल्कि आत्मविश्वास, परिश्रम और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश भी दिया। कार्यक्रम का समापन छत्तीसगढ़ को शिक्षा, संस्कृति और विकास में अग्रणी राज्य बनाने के संकल्प के साथ हुआ, जिसने न केवल महाविद्यालय बल्कि पूरे जिले को गौरव और ऊर्जा से आलोकित कर दिया। प्रोफेसर श्रावणी चक्रवर्ती ने कहा कि मैं आपसे यही कहना चाहती हूँ कि शिक्षा ही आपकी सबसे बड़ी ताकत है। यह आपको ज्ञान देती है, आत्मविश्वास देती है और जीवन को सही दिशा देती है। लेकिन केवल पढ़ाई ही काफी नहीं, उसमें हुनर और जज़्बा भी जरूरी है। हुनर आपकी प्रतिभा है और जज़्बा वह शक्ति है, जो आपको कठिनाइयों के बावजूद आगे बढ़ाता है। प्रिय छात्राओं आप अपने सपनों को छोटा मत कीजिए। आत्मविश्वास के साथ मेहनत कीजिए, अपने हुनर को निखारिए और जज़्बे के साथ आगे बढ़िए। कल का छत्तीसगढ़ और भारत आपकी मेहनत और आपकी सफलता पर ही गर्व करेगा।

वहीं मुख्य वक्ता वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार गिरीश पंकज ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा जीवन को दिशा देने वाली सबसे बड़ी पूँजी है, इसलिए इसका भरपूर लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने छात्रों से कहा संसाधनों की कमी हो सकती है पर आपकी साधना में कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्होंने स्वयं भी संसाधनों के अभाव में शिक्षा पाई और संघर्ष का सामना किया, लेकिन यही संघर्ष आगे चलकर प्रेरणा बना। आज जब महाविद्यालय के लिए भूमि आवंटित हो चुकी है, तो जल्द ही भव्य कैंपस बनेगा और वर्तमान की कठिनाइयाँ समाप्त होंगी। उन्होंने कल, आज और कल विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की परिकल्पना ठाकुर प्यारेलाल, खूबचंद बघेल और सुंदरलाल शर्मा जैसे नेताओं ने 125 वर्ष पहले ही कर ली थी। रतनपुर से लेकर रायपुर संभाग तक के संघर्ष ने यह साबित किया कि बिना खून-खराबे के भी एक राज्य का निर्माण संभव है और यही छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताकत है।

जल संरक्षण से सोनवर्षा ग्राम के ग्रामीण हुए आत्मनिर्भर

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। जिले के मनेन्द्रगढ़ ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत सोनवर्षा के ग्राम राधारमणनगर में जल संकट लंबे समय से एक गंभीर समस्या बना हुआ था। भूमिगत जल स्तर 450 फीट से भी नीचे चला गया था और गर्मियों के दिनों में ग्रामीणों को पेयजल और सिंचाई दोनों के लिए भारी दिक्कत का सामना करना पड़ता था। इन परिस्थितियों में महात्मा गांधी नरेगा योजना अंतर्गत नवीन तालाब निर्माण का कार्य खदान के पास प्रारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य वर्षा जल का संरक्षण और संचयन करना था। इस कार्य की लागत 12.80 लाख रही और इसे 07 अक्टूबर 2023 से प्रारंभ कर ग्राम पंचायत की देखरेख में पूरा किया गया। यह तालाब न केवल ग्रामीणों के निस्तार के लिए उपयोगी सिद्ध हुआ बल्कि कृषि, मत्स्य पालन और आजीविका का भी प्रमुख साधन बन गया।

इस तालाब के निर्माण ने पूरे गाँव के जीवन को नई दिशा दी। पहले जहाँ जल संकट हर गर्मी में लोगों के लिए चुनौती बन जाता था, वहीं अब तालाब से वर्षभर पानी उपलब्ध हो रहा है। खेतों में लगातार नमी बनी रहने से फसल उत्पादन में वृद्धि हुई है। तालाब के किनारे हरी-भरी फसलें लहलहाती दिखाई देती हैं और इससे ग्रामीणों का आत्मविश्वास भी बढ़ा है। तालाब में मछली पालन की शुरुआत ने ग्रामीणों की आय के नए स्रोत भी खोले हैं। इस कार्य ने गाँव को जल संरक्षण की राह पर आगे बढ़ाकर आत्मनिर्भर बनाया है।

तालाब निर्माण के दौरान तकनीकी दृष्टिकोण पर विशेष ध्यान दिया गया। बाँध की ऊँचाई और चौड़ाई को इस प्रकार बनाया गया कि वर्षा के समय अधिकतम जल संग्रहित हो सके और लंबे समय तक सुरक्षित रह सके। गहराई भी पर्याप्त रखी गई ताकि पानी गर्मियों में भी उपलब्ध रहे। पंचायत प्रतिनिधियों, तकनीकी अधिकारियों और ग्रामीणों ने मिलकर इस निर्माण को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। यह परियोजना केवल सरकारी प्रयास नहीं थी बल्कि सामुदायिक एकजुटता और सहयोग की भी एक मिसाल बनी।

तालाब के निर्माण से लाभान्वित ग्रामीणों ने इसे जीवनदायी बताया। ग्राम राधारमण नगर के बाबू सिंह, जीत नारायण और एक्का प्रसाद ने मिलकर तालाब में लगभग 3000 मछली बीज डाले हैं, जिनकी देखरेख वे स्वयं करते हैं। यह मछली पालन उनकी आय का प्रमुख साधन बन गया है और साथ ही तालाब का उपयोग सिंचाई में भी हो रहा है।

शासकीय नवीन कालेज सोनहत में छत्तीसगढ़ रजत जयंती कार्यक्रम आयोजित

छ.ग.फ्रंटलाइन

सोनहत। छ.ग. रजत जयंती समारोह के अंतर्गत आयोजन आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के अंतिम दिवस सेमिनार का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा मंडल अध्यक्ष राजाराम राजवाड़े और विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला मंत्री कोरिया ईश्वर राजवाड़े शामिल हुए। विदित हो कि महाविद्यालय में दिनांक 5 सितंबर से 12 सितंबर के बीच विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिनके अंतर्गत निबंध, भाषण क्विज, इत्यादि प्रतियोगिताएं, पूर्व छात्रों का सम्मेलन एवं सेमिनार कार्यक्रम प्रस्तावित थे। इसी क्रम में महाविद्यालय में दिनांक 10 सितंबर को निबंध एवं क्विज, एवं दिनांक 11 सितंबर को भाषण पेंटिंग एवं वाद विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, 11 सितंबर को ही महाविद्यालय में भूतपूर्व छात्रों का सम्मेलन आयोजित किया गया। दिनांक 10 सितंबर को महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं जिला स्तरीय भाषण ग्रुप डिस्कशन एवं क्विज प्रतिस्पर्धा में शामिल हुए। इसी के अंतर्गत सेमिनार का आयोजन किया गया था, जिसका विषय था छत्तीसगढ़ के 25 वर्षों की निर्माण यात्रा अवसर उपलब्धियां और चुनौतियां। कार्यद्ध3म का शुभारंभ मुख्य अतिथि के द्वारा वीणा वादिनी मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया गया, जिसके बाद अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ से किया गया।

महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य शैलेश मिश्रा ने इस कार्यक्रम की थीम का परिचय युवाओं के सामने रखा और छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के बाद किस तरह से छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा रही है उसका प्रारंभिक परिचय प्रदान किया। विशिष्ट अतिथि ईश्वर राजवाड़े ने छत्तीसगढ़ में युवा साक्षरता के महत्व और उपयोगिता के संबंध में युवाओं को जानकारी प्रदान की इसके साथ ही छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपरा और संस्कृति के संबंध में युवाओं के साथ अपनी जानकारी साझा की। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद तीव्र गति से विकास कार्य हुए हैं और राज्य में कई स्कूल, कॉलेज अस्पताल, नई-नई सड़कों का विकास जगह-जगह किया गया।

मुख्य अतिथि राजाराम राजवाड़े ने छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के पूर्व यहां के निवासियों के समक्ष आने वाली विभिन्न कठिनाइयों की जानकारी युवाओं के साथ साझा की। 1 नवंबर 2000 से प्रारंभ हुई छत्तीसगढ़ की यात्रा में प्रगति के अनेक सोपान आए हैं और भविष्य में युवाओं का यह उत्तरदायित्व है कि वह आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ को भारत के सबसे विकसित राज्य बनाने के लिए सहयोग और समानता के साथ प्रयास करें। युवाओं के पास क्षमता है और वह यदि अपनी ऊर्जा का सार्थक उपयोग करते हैं तो राज्य समाज और देश की तस्वीर बदल सकते हैं और आने वाले वर्षों में विकसित भारत के स्वप्न को पूरा करने में युवाओं की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका रहने वाली है। समस्त छात्र-छात्राएं और शैक्षणिक स्टाफ कार्यक्रम में शामिल रहे और आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

उद्योग-बैंकर्स संवाद कार्यशाला का आयोजन, क्रेडिट लिंक्ड योजनाओं पर 14 सितंबर को होगी चर्चा

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। जिले में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम इकाइयों, महिला उद्यमियों, स्व-सहायता समूहों तथा कारीगरों को सशक्त बनाने और उन्हें बैंक ऋण, सरकारी योजनाओं एवं वित्तीय सहायता से जोड़ने के उद्देश्य से जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा उद्योग-बैंकर्स संवाद कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह एक दिवसीय कार्यशाला आगामी 14 सितंबर 2025 को दोपहर 3 बजे विमल श्री टाकीज, मनेन्द्रगढ़ में आयोजित होगी। इस विशेष कार्यक्रम में विभिन्न बैंकों द्वारा ऋण योजनाओं की जानकारी दी जाएगी, स्स्स्थ इकाइयों और शाखाओं से संबंधित वित्तीय समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किया जाएगा तथा क्रेडिट लिंक्ड योजनाओं जैसे CGTMSE और PMEGP के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। कार्यशाला की विशेषता यह होगी कि उद्यमियों और बैंकर्स के बीच प्रत्यक्ष संवाद का अवसर उपलब्ध होगा जिससे उनकी समस्याओं का समाधान आसानी से हो सकेगा। महिला उद्यमियों और स्व-सहायता समूहों के लिए भी विशेष मार्गदर्शन इस संवाद का हिस्सा रहेगा। जिले के सभी इच्छुक उद्यमियों और लाभार्थियों से आग्रह किया गया है कि वे इस निःशुल्क कार्यशाला में भाग लेकर इसका लाभ उठाएं। अधिक जानकारी के लिए जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर से कार्यालयीन समय में या टी. आर. कश्यप के मो. न. 7987075355 में संपर्क कर सकते हैं।

बरदर पंचायत में महिला सशक्तिकरण अभियान का हुआ भव्य समापन

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। जिले में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र (हब) महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा भारत सरकार की महत्त्वाकांक्षी योजना संकल्प HEV के अंतर्गत महिला केंद्रित विषयों पर 10 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान और अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता सप्ताह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह अभियान 2 सितम्बर से 12 सितम्बर 2025 तक जिले के विभिन्न ग्रामों और विद्यालयों में संचालित हुआ, जिसने महिलाओं और बालिकाओं को न केवल उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित भी किया।

इस अभियान को जिला कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के आदेशानुसार, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजकुमार खाती के मार्गदर्शन में तथा जिला मिशन समन्वयक श्रीमती तारा कुशवाहा के नेतृत्व में संचालित किया गया। अभियान के अंतिम दिन खड़गवां परियोजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत बरदर में आयोजित विशेष कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं और विद्यालय की छात्राएँ शामिल हुईं। कार्यक्रम की शुरुआत एक प्रेरणादायक वातावरण में हुई जहां उपस्थित जनसमूह को सबसे पहले PCP-NDT Act यानी गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण प्रतिबंध अधिनियम की विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि भ्रूण लिंग परीक्षण कानूनन अपराध है और इस पर कड़ी सजा का प्रावधान है। इसके साथ ही महिलाओं को उनके बुनियादी कानूनी अधिकारों से अवगत कराया गया और यह बताया गया कि वे कैसे अपने अधिकारों का उपयोग कर अपने जीवन को सुरक्षित और सम्मानजनक बना सकती हैं।

इसके पश्चात महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी विस्तारपूर्वक दी गई। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के माध्यम से कन्या भ्रूण हत्या पर रोक और बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने की बात की गई। महिला हेल्पलाइन 181 और चाइल्डलाइन 1098 जैसी हेल्पलाइन सेवाओं के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा गया कि इन नंबरों पर कभी भी संकट की घड़ी में सहायता प्राप्त की जा सकती है। सखी वन स्टॉप सेंटर की भूमिका को रेखांकित करते हुए यह बताया गया कि यह केंद्र घरेलू हिंसा, उत्पीड़न या किसी अन्य प्रकार की परेशानी का सामना कर रही महिलाओं के लिए सुरक्षा और सहारा प्रदान करता है। इसके साथ ही नोनी सुरक्षा योजना, छत्तीसगढ़ महिला कोष, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम और बालिका सुरक्षा योजनाएं भी समझाई गईं, जो महिलाओं और बालिकाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक सहायता और सुरक्षा उपलब्ध कराती हैं। कार्यक्रम में यह भी विशेष रूप से बताया गया कि बाल विवाह समाज के लिए कितनी हानिकारक प्रथा है और इससे न केवल बालिकाओं का बचपन छीना जाता है बल्कि उनके स्वास्थ्य और भविष्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उपस्थित बालिकाओं को विशेष रूप से साइबर अपराध और उसके दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। उन्हें बताया गया कि डिजिटल युग में सतर्क रहना अत्यंत आवश्यक है और सोशल मीडिया या इंटरनेट का उपयोग करते समय किसी भी प्रकार की जानकारी साझा करने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए। साइबर सुरक्षा से जुड़े कई व्यावहारिक उपाय भी बालिकाओं को सिखाए गए ताकि वे स्वयं को सुरक्षित रख सकें।

विधायक श्रीमती गोमती साय ने सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रचार-प्रसार रथ को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

जशपुरनगर। विधायक एवं सरगुजा आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष श्रीमती गोमती साय ने अपने निज निवास स्थान ग्राम मुण्डाडीह में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रचार-प्रसार रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। यह रथ पत्थलगांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत शहरों और गांवों में भ्रमण कर लोगों को योजना की जानकारी देगा और इसके लाभों से अवगत कराएगा। इस अवसर पर श्री उपेन्द्र साय, श्री आकाश पारिक सहित अनेक जनप्रतिनिधि ग्रामीण जन एवं विद्युत विभाग के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक श्रीमती साय ने कहा कि यह कदम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। इस योजना के अन्तर्गत 01 से 03 किलो वॉट तक रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित कर हर महिने 100 से 360 यूनिट तक बिजली उत्पादन किया जा सकता है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 01 किलोवाट सोलर प्लांट लगाने पर केंद्र सरकार की ओर से 30 हजार तो राज्य सरकार की तरफ से 15 हजार की सब्सिडी मिलती है। इसी तरह 02 किलोवाट सोलर प्लांट लगाने पर केन्द्र सरकार की तरफ से 60 हजार तो राज्य सरकार की तरफ से 30 हजार की सब्सिडी और 03 किलोवाट सोलर प्लांट लगाने पर केन्द्र सरकार की तरफ से 78 हजार तो राज्य सरकार की तरफ से 30 हजार की सब्सिडी मिलती है। इस योजना अन्तर्गत सोलर प्लांट लगाने वाले उपभोक्ताओं को बैंक के द्वारा 6 प्रतिशत दर पर आसान किस्तों में 10 वर्षों के लिए ऋण की सुविधा दी गई है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ता योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ता https://pmsuryaghar.gov.in पीएम सूर्य घर मोबाइल ऐप, सीएसपीडीसीएल वेबसाइट, मोर बिजली ऐप अथवा टोल फ्री नंबर 1912 पर कॉल कर आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा, इच्छुक उपभोक्ता नजदीकी सीएसपीडीसीएल कार्यालय से भी सम्पर्क कर सकते हैं। सौर प्लांट स्थापना हेतु वेंडर का चयन उपभोक्ता स्वयं ऑनलाइन कर सकते हैं।

कलेक्टर ने ली शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में शिक्षा की गुणवत्ता और बोर्ड परीक्षा परिणामों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में कलेक्टर श्री कटारा ने गत वर्ष आयोजित कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों की समीक्षा करते हुए की गई तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भी बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने हेतु विशेष ध्यान दें। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को नियमित अभ्यास कराते हुए उन्हें बेहतर मार्गदर्शन प्रदान करें, ताकि जिले का परीक्षा परिणाम और अधिक उत्कृष्ट हो सके।

बेहतर परीक्षा परिणाम हेतु गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर दिया जोर

कलेक्टर श्री कटारा ने बैठक में कहा कि अपने-अपने संकुल अंतर्गत आने वाली शालाओं का नियमित अवलोकन करें तथा छात्र-छात्राओं की पढ़ाई की निरंतर समीक्षा करते रहें। उन्होंने कहा कि पढ़ाई में किसी प्रकार की कोताही न बरती जाए। उन्होंने विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ सह-पाठ्यक्रमीय गतिविधियों के आयोजन पर भी जोर देते हुए कहा कि बच्चों को अन्य रचनात्मक गतिविधियां नियमित रूप से कराया जाए। इससे बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा और उनमें आत्मविश्वास बढ़ेगा। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के जाति प्रमाण पत्र शत-प्रतिशत तैयार कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिन बच्चों के पास अभी प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं है, उनके आवश्यक दस्तावेज संकलित कर विशेष कैंप लगाकर प्रमाण पत्र बनाकर उपलब्ध कराएं। कलेक्टर ने विद्यालयों की अधोसंरचना, साफ-सफाई, एवं मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता सहित विभिन्न विषयों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान कलेक्टर ने सभी शिक्षकों की उपस्थिति समय एवं नियमित रूप से सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षक अपने अध्यापन कार्य में लापरवाही न बरतें और निष्ठापूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

कलेक्टर ने बच्चों को बेहतर भविष्य चुनने के लिए मार्गदर्शन करने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि बच्चों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर, आसपास के वातावरण और प्रायोगिक गतिविधियों से भी जोड़ा जाए, ताकि वे रोचक ढंग से शिक्षा से जुड़ सकें। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री डी.एन. मिश्रा सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिवंदनपुर भाजपा मंडल की बैठक में कई मुद्दों पर निर्णय

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। भारतीय जनता पार्टी शिवनंदनपुर मंडल की मंडल स्तरीय सेवा पखवाड़ा शाला की बैठक बिंझिया सामुदायिक भवन जयनगर में संपन्न हुई।

बैठक की अगुवाई मंडल अध्यक्ष हरीश राजवाड़े ने की।बैठक में मुख्य अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष महेश्वर पैकरा थे। अन्य अतिथियों में भाजपा जिला उपाध्यक्ष देवधन राम बिंझिया, रितेश जायसवाल, सुरजपुर जनपद उपाध्यक्ष मनमत बछाड़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष हरीश राजवाड़े ने सेवा पखवाड़ा शाला के प्रभारी नियुक्ति से संबंधित जानकारी दी। मुख्य अतिथि महेश्वर पैकरा ने सेवा पखवाड़ा मंडल कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया।

देवधन राम बिंझिया ने बताया कि मंडल कार्यशाला 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक प्रतिदिन आयोजित की जाएगी, जिसमें सेवा और समाज हित के विविध कार्यक्रम होंगे। रितेश जायसवाल व मनमत बछाड़ ने सेवा पखवाड़ा के दौरान अधिक से अधिक जनसंपर्क अभियान चलाने, समाज के अंतिम छोर तक संगठन की विचारधारा पहुंचाने तथा गरीबों व जरूरतमंदों की सेवा में समर्पित रहने का आह्वान किया। बैठक में शितीकांत स्वाई, शनि मिश्रा, मनी बग्गा, भागवत प्रजापति, अमरलाल साहू, श्यामू साहू, नरेंद्र प्रजापति, कामेश्वर राजवाड़े, विष्णु समद्दार, विवेक जयसवाल, कृष्ण पाल बिंझिया, गणेश प्रसाद राजवाड़े, कमलेश सोनी, देवेंद्र सोनवानी, समीर सिंह, दिनेश राजवाड़े, विरेंद्र कुमार, आनंद शर्मा, बंटेश्वर सारथी, एस. सोनी, ओम राजवाड़े, नोहर राजवाड़े, देवानंद पैकरा, विनोद राजवाड़े, गोवर्धन, मिथलेश, सुरेश बखला, मनीष कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने पर लिपिक निलंबित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कार्यालय तहसीलदार रामानुजगंज विकासखंड रामचन्द्रपुर में सहायक ग्रेड-03, प्रवीण कुमार लकड़ा, प्रभारी लिपिक काननूगो शाखा तथा नायब नाजीर शाखा रामानुजगंज के द्वारा नशे के हालत में अपने कार्य पर उपस्थित होने एवं अपने पदीय दायित्वों के प्रति घोर लापरवाही एवं स्वेच्छाचारिता बरतने पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम-9 (1) (क) के तहत् कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के द्वारा प्रवीण कुमार लकड़ा को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में प्रवीण कुमार लकड़ा का मुख्यालय कार्यालय जिला निर्वाचन कार्यालय (स्थानीय) बलरामपुर नियत किया गया है। निलंबन अवधि में प्रवीण लकड़ा को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

संगीत प्रशिक्षक हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि 19 सितंबर तक

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले के 06 विकासखण्डों में संचालित 11 पीएम श्री विद्यालयों में संगीत प्रशिक्षक के रूप में कार्य करने के लिए 31 मार्च तक (03 माह) के लिए रखा जाना है। जिनको अधिकतम पारिश्रमिक प्रतिमाह 10 हजार रुपये दिया जाएगा। संगीत प्रशिक्षक हेतु न्यूनतम योग्यता मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्था से संगीत में स्नातक की डिग्री या समकक्ष होना अनिवार्य है। स्थानीय संगीत कलाकार जो किसी भी संस्था से जो एक वर्ष के अनुभव वाले अवेदक तथा विकासखण्डवार योग्य आवेदक को प्राथमिकता दी जाएगी। आवेदक 19 सितंबर 2025 तक शाम 05:30 बजे तक अपना लिखित आवेदन के साथ 5वीं, 8वी, 10वीं, 12वीं, संगीत डिग्री, अनुभव प्रमाण पत्र, जाति, निवास प्रमाण पत्र व जीवित रोजगार पंजीयन सहित जिला परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा (प्रारंभिक स्तर) बलरामपुर में स्वयं एवं पंजीकृत डाक के माध्यम से जमा कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए मोबाईल नम्बर 9713749988 पर संपर्क किया जा सकता है।

पंडित रविशंकर शुक्ल सम्मान तथा महाराजा अग्रसेन सम्मान के लिए आवेदन आमंत्रित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राज्य शासन में अहिंसा एवं गौ रक्षा के क्षेत्र में किए गए अविस्मरणीय कार्य, सेवाएं तथा अभिनव प्रयास के लिए सम्मानित करने और उनमें एक राष्ट्रीय कीर्तिमान विकसीत करने की दृष्टि से राज्य स्तरीय ''यतियतन लाल सम्मान'', समाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक क्षेत्रों में किए गए अभिनव प्रयास के लिए ''पंडित रविशंकर शुक्ल सम्मान'' तथा सामाजिक, समरसता यथा सभी वर्गों में समभाव, सौहार्द, समाज सेवा के स्थाई कार्य जैसे अस्पताल, धर्मशाला, पेयजल, स्वच्छता एवं सामाजिक विकास के अन्य स्थाई स्वरूप के कार्यों में जनभागीदारी को बढ़ावा देने, सामाजिक चेतना का अच्छा यातावरण विकसित करने के योगदान को प्रोत्साहित करने ''महाराजा अग्रसेन सम्मान'' हेतु वर्ष 2025 के लिए उक्त पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किया गया है। उक्त पुरस्कार के तहत चयनित व्यक्ति/संस्था को 02 लाख रूपये नगद, सम्मान प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। जिले के अंतर्गत ''यतियतन लाल सम्मान'', ''पंडित रविशंकर शुक्ल सम्मान'' तथा ''महाराजा अग्रसेन सम्मान'' पुरस्कार हेतु नामांकन प्रस्ताव आमंत्रित करने के लिए योग्य/पात्रता रखने वाले व्यक्ति/संस्था, 22 सितम्बर 2025 कार्यालयीन समय तक कार्यालय कलेक्टर को प्रस्तुत कर सकते हैं।

राष्ट्रीय वन शहीद दिवस पर याद किये गए विभाग के शहीद कर्मचारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बुधवार को यहां के शिव पार्क में राष्ट्रीय वन शहीद दिवस के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में वनमण्डलाधिकारी पंकज कुमार कमल द्वारा वन विभाग के शहीद कर्मचारियों के छायाचित्र में पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया गया। वनमण्डलाधिकारी द्वारा अपने उद्बोधन में बताया गया कि प्रतिवर्ष 11 सितम्बर को राष्ट्रीय वन शहीद दिवस मनाया जाता है भारत सरकार ने सन 2013 में इस दिवस को राष्ट्रीय वन शहीद के रूप में मनाना प्रारंभ किया गया था। वृक्षों की रक्षा के लिये लोगों ने अपना बलिदान दिया था। सन् 1730 में राजस्थान के बिश्नोई संप्रदाय के 363 महिला एवं पुरूषों के द्वारा खेजड़ी के वृक्षों से लिपटकर अपने प्राण त्याग दिये, किंतु वृक्षों को नहीं काटने दिया। इस आंदोलन का नेतृत्व अमृता देवी बिश्नोई ने किया था। ''सिर काटे रूख रहे तो भी सस्तो जाण अर्थात सिर के बदले वृक्ष बचते हैं तो भी यह सौदा सस्ता है।''वृक्षों यानी पर्यावरण की इसी रक्षक की स्मृति में भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष विश्व पर्यावरण दिवस पर ''अमृता देवी बिश्नोई वन्य जीव सुरक्षा पुरस्कार'' प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम के दौरान वनपरिक्षेत्राधिकारी उमेश कुमार वस्त्रकार, परिक्षेत्र सहायक रमेश सिंह, धीरेन्द्र कुमार सिंह, मनोज कुमार जायसवाल, हुबलाल यादव, राजाराम यादव, महेन्द्र प्रसाद सहित वन परिक्षेत्र के समस्त कर्मचारियों द्वारा शिव पार्क में शहीदों को श्रद्धांजली अर्पित किया गया।

भाग्य लक्ष्मी के पीएम आवास को बिहान योजना ने दिया सपनो का आकार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत जिले के ग्राम नरेशपुर की दिव्य ज्योति महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्य श्रीमती भाग्य लक्ष्मी तिवारी को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास स्वीकृत हुआ। उन्होंने बताया कि उन्हें घर बड़ा बनाना था, जिसके लिए अतिरिक्त राशि की आवश्यकता थी। इस दौरान उन्हें बिहान योजना से सहायता मिली। बिहान योजना के अंतर्गत एन आर एल एम से सामुदायिक निवेश कोष तथा बैंक लिकेंज के जरिए उन्हें 1 लाख 20 हजार रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस सहयोग से उन्होंने अपने सपनों का घर पूर्ण किया।श्रीमती भाग्य लक्ष्मी तिवारी ने बताया कि जब आवास मिला तो लगा कि घर का बजट अधिक है और वे बड़ा घर नहीं बना पाएंगी। लेकिन बिहान योजना से सहायता मिलने के बाद उनका सपना साकार हो गया। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि आज उनके पास खुशियों की चाबी है।

प्रतापपुर में एसडीएम ने राजस्व कार्यों की समीक्षा हेतु ली बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। अनुभाग प्रतापपुर में गुरुवार को तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पटवारी एवं कानूनगो की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में डीसीएस, गिरदावरी प्रविष्टि, अभिलेख दुरुस्ती, डीएससी, अभिलेख शुद्धता, टीएल-जनदर्शन तथा न्यायालयीन प्रतिवेदन के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई तथा अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इसके अलावा, एसडीएम ओड़गी एवं तहसीलदार द्वारा जनपद पंचायत ओड़गी के सभाकक्ष में सचिवों एवं रोजगार सहायकों को फौति-नामांतरण से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा ग्राम पंचायत पालदानौली में स्थित रेडी-टू-ईट यूनिट तथा खर्रा जलाशय का भी निरीक्षण किया।

एलईडी स्क्रीन के साथ नुक्कड़ नाटक दल द्वारा जिलेभर में लोगो को साइबर ठगी से बचाव की देंगे जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। साइबर जागरूकता के लिए एसबीआई द्वारा तैयार किए गए जागरूकता रथ को एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उक्त रथ में एलईडी स्क्रीन लगाई गई है जिस पर लगातार साइबर अपराधों से जुड़े जागरूकता वीडियो प्रदर्शित किए जा रहे हैं। एसबीआई शाखा सूरजपुर परिसर में शाखा प्रबंधक पियुस विजयवर्गीय की मौजूदगी में साइबर सुरक्षा पर नुक्कड़-नाटक के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर एसएसपी श्री ठाकुर ने कहा कि साइबर अपराध से बचाव और जागरूकता के लिए एसबीआई की ओर से बेहतर पहल कर साइबर सुरक्षा के प्रति अपनी कृतज्ञता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों का जाल बेहद बड़ा हो चुका है कि पढ़े-लिखे व जागरूक लोग भी ठगी का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करना चाहिए ताकि समय रहते आर्थिक क्षति रोकी जा सके। किसी संदिग्ध लिंक या कॉल पर विश्वास न करें, बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा न करें, विभागीय कार्य से जुड़े पासवर्ड मजबूत रखें और नियमित रूप से बदलते रहें। इसके अलावा सोशल मीडिया पर निजी जानकारी या लोकेशन सार्वजनिक करने से बचने और जनता के बीच भी इन बिंदुओं को साझा कर उन्हें जागरूक करने की अपील की गई।एसएसपी ने कहा कि साइबर अपराध को रोकने में यह रथ और नुक्कड़ नाटक की टीम की बेहद ही शानदार प्रस्तुती के माध्यम से आमजनों को जागरूक कर रही है और ठगी होने पर क्या करना है उसके बारे में लोगों को बता रही है। यह साइबर जागरूकता रथ जिलेभर में घूमकर नागरिकों को साइबर अपराधों से सतर्क करेगा। भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक पियुस विजयवर्गीय ने मीडिया के माध्यम से लोगों से अपील किया कि किसी भी प्रकार के लालच या झांसे में आकर अपनी गोपनीय जानकारी साझा न करें और सतर्क रहकर खुद को व अपने परिजनों को साइबर अपराधियों से सुरक्षित रखें। इस अवसर पर यातायात प्रभारी बृजकिशोर पाण्डेय, बैंक अधिकारी सूरज सिंह, विशाल प्रसाद, गजेन्द्र देवांगन, वंदना कुमारी, बिंदेश्वरी, सिद्धनाथ राजवाड़े, सुनील सिंह, स्मृति एक्का, प्रदीप व काफी संख्या में बैंक के ग्राहक मौजूद रहे।

महिला एवं बाल विकास की कलेक्टर ने ली बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन की अध्यक्षता में महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी से जुड़ी योजनाओं सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा कर वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की एवम आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार शर्मा, महिला एवं बाल विकास के कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने आंगनबाड़ी संचालन, उसकी विभिन्न गतिविधियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के रिक्त पदों की स्थिति की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने पोषण पुनर्वास केंद्र के संचालन की समीक्षा की और आंगनबाड़ी बच्चों की अधिक से अधिक गृह भेंट कर उनके स्वास्थ्य में सुधार लाने पर जोर दिया। साथ ही पूरक पोषण आहार कार्यक्रम अंतर्गत टेक होम राशन वितरण की जानकारी ली। पोषण ट्रैकर ऐप में एंट्री की समीक्षा करते हुए समय पर नियमित एंट्री करने के निर्देश दिए। खराब प्रदर्शन वाले सुपरवाइजरों एवम अन्य कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में आंगनबाड़ियों में खिलौने, दवाईयां और अन्य सामग्रियों की आपूर्ति एवं भंडार की उपलब्धता की भी जानकारी ली गई। बच्चों को हरी सब्जियां और पौष्टिक भोजन प्रदाय करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना,प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं महतारी वंदन योजना , सुकन्या समृद्धि योजना, नवा बिहान योजना, सखी वन स्टॉप सेंटर और महिला हेल्पलाइन 181 के क्रियान्वयन की प्रगति की भी जानकारी ली।

सम्पादकीय

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद रक्षा क्षेत्र का सिरमौर बनता भारत

वो भी समय था, जब भारत अपनी रक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए पूरी तरह से रूस व अन्य देशों पर निर्भर था। यहां तक कि गोला बारूद तक के लिए विदेशी रक्षा उपकरण निर्माताओं की तरफ झोली फैलानी पड़ती थी। इतना ही नहीं, भारी भरकम रकम देने के बाद भी रक्षा उपकरण देने में भी लगातार देरी सहन करनी पड़ती थी। अब हालात बदलने लगे हैं। ऐसा भी नहीं है कि हम सौ फीसदी आत्मनिर्भर हो गए हैं, लेकिन हालात वो भी नहीं रहे, जो दो दशक पहले तक थे। आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, रक्षा उत्पादन और निर्यात संवर्धन नीति जैसे बड़े रणनीतिक फैसलों के कारण घरेलू रक्षा उत्पादनों को बहुत हद तक प्रोत्साहन मिला है। रक्षा क्षेत्र में निजी भागीदारी भी अपेक्षाकृत बढ़ी है और सार्वजनिक उपक्रमों की उत्पादन क्षमता में खासा सुधार आया है। इसमें एमएसएमई ने भी योगदान दिया। इन्हीं प्रयासों का नतीजा है कि इस कारण 2013-14 में जहां 686 करोड़ रुपये का निर्यात किया गया था, वहीं 2024-25 में यह बढ़कर 23,622 करोड़ रुपये हो चुका है। पिछले वित्त वर्ष की तुलना में रक्षा निर्यात में भी 12 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। साफ नजर आता है कि देश रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में तेज से उभर रहा है। इसी कारण वैश्विक मंचों पर भी भारत की छवि मजबूत होती जा रही है। हाल में लोवी इंस्टीट्यूट पावर इंडेक्स की रिपोर्ट इस बात की पुष्टि करती है कि रक्षा क्षेत्र में भारत दुनिया के सिरमौर देशों की कतार में खड़ा होने की तैयारी में है। देश आधुनिक हथियारों और तकनीक के मामले में तेजी से तरक्की कर रहा है, इस तथ्य की पुष्टि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी हुई, जब ब्रह्मोस मिसाइलों और ड्रोन रोधी स्वदेशी प्रणाली आकाशतीर ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। अब तक हमें आमतौर पर यही लगता था कि ऑपरेशन सिंदूर ने सैन्य क्षेत्र में भारत की नई और उभरती ताकत से पूरी दुनिया का परिचय करवाया है। जिस तरह से सिर्फ चार दिनों के भीतर भारतीय सशस्त्र सेना ने पाकिस्तान का गेम ओवर किया, उससे खुद को सुपर पावर कहने वाले देश भी हक्के-बक्के रह गए। लेकिन, अब ऐसी रिपोर्ट आ रही हैं कि ऑपरेशन सिंदूर ने सिर्फ हमारी सैन्य ताकत को ही बयां नहीं किया, रक्षा निर्यात के क्षेत्र में भी भारत के लिए नए द्वार खोल दिए हैं। भारत आज अमेरिका, रूस, फ्रांस समेत 100 से ज्यादा देशों को सैन्य हथियार और रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। भारत के जिन हथियारों की अंतरराष्ट्रीय सैन्य बाजार में ज्यादा डिमांड है, ऑपरेशन सिंदूर के बाद उनकी फेहरिस्त लंबी होती जा रही है। ब्रह्मोस मिसाइल को भारत ने रूस के साथ मिलकर बनाया है। फिलीपींस इसका पहले से खरीदार था, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर में शानदार प्रदर्शन की वजह से करीब 15 देश इसे खरीदने के लिए लालायित हो रहे हैं। उन्हें लग रहा है कि भारत के रक्षा उपकरण न केवल सटीक हैं बल्कि गुणवत्ता पर भी खरे उतरते हैं। अभी भी बहुत कुछ ऐसा है जो खलता है। इस प्रगति के बावजूद रक्षा क्षेत्र में आयात पर निर्भरता को घटाना अभी भी चुनौती बना हुआ है। इन प्रयासों को बढ़ाने के लिए अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में मेहनत करनी होगी और निवेश भी बढ़ाना होगा। छोटे और मध्यम उद्यमों को रक्षा उत्पादन में और अवसर देने होंगे। साथ ही उत्पादों की गुणवत्ता और बाजार की प्रतिस्पर्धा का भी ध्यान रखना होगा। यह तभी संभव है जब हम रक्षा क्षेत्र से जुड़े उद्योगों को प्रोत्साहन देंगे और सरकारी और निजी क्षेत्र के बीच बेहतर साझेदारी, नए बाजारों की खोज और रक्षा स्टार्टअपों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना होगा।

समता व बंधुत्व को समर्पित जीवन

जन्म दिवस पर विशेष

नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री

संघ का हर कार्यकर्ता वैभव संपन्न भारत माता का सपना साकार होते देखना चाहता है। इस सपने को पूरा करने के लिए जिस स्पष्ट विज़न और ठोस एक्शन की जरूरत होती है, डॉ. मोहन भागवत इन दोनों गुणों से परिपूर्ण हैं। उनके स्वभाव की एक और बड़ी विशेषता ये है कि वे मृदुभाषी हैं। उनमें सुनने की भी अद्भुत क्षमता है। यह विशेषता न केवल उनके दृष्टिकोण को गहराई देती है, बल्कि उनके व्यक्तित्व और नेतृत्व में संवेदनशीलता और गरिमा भी लाती है। डॉ. भागवत हमेशा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के प्रबल पक्षधर रहे हैं। वैसे बहुत कम लोगों को ये पता है कि डॉ.भागवत अपनी व्यस्तता के बीच संगीत और गायन में भी रुचि रखते हैं। वे विभिन्न भारतीय वाद्ययंत्रों में भी निपुण हैं।

आज 11 सितंबर है। यह दिन अलग-अलग स्मृतियों से जुड़ा है। एक स्मृति 1893 की है, जब स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में विश्व बंधुत्व का संदेश दिया और दूसरी स्मृति है 9/11 का आतंकी हमला, जब विश्व बंधुत्व को सबसे बड़ी चोट पहुंचाई गई। आज के दिन की एक और विशेष बात है। आज एक ऐसे व्यक्तित्व का 75वां जन्म दिवस है जिन्होंने वसुधैव कुटुंबकम के मंत्र पर चलते हुए समाज को संगठित करने, समता-समरसता और बंधुत्व की भावना को सशक्त करने में अपना पूरा जीवन समर्पित किया है। संघ परिवार में जिन्हें परम पूजनीय सरसंघचालक के रूप में श्रद्धाभाव से संबोधित किया जाता है, ऐसे डॉ. मोहन भागवत का आज जन्मदिन है। यह एक सुखद संयोग है कि इसी साल संघ भी अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है। मैं डॉ. भागवत को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और प्रार्थना करता हूं कि ईश्वर उन्हें दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें।

मेरा डॉ. मोहन भागवत के परिवार से बहुत गहरा संबंध रहा है। मुझे उनके पिता, स्वर्गीय मधुकर राव भागवत के साथ निकटता से काम करने का सौभाग्य मिला था। मैंने अपनी पुस्तक 'ज्योति पुंज' में मधुकर राव के बारे में विस्तार से लिखा भी है। वकालत के साथ-साथ मधुकर राव जीवनभर राष्ट्र निर्माण के कार्य में समर्पित रहे। अपनी युवावस्था में उन्होंने लंबा समय गुजरात में बिताया और संघ कार्य की मजबूत नींव रखी। मधुकर राव का राष्ट्र निर्माण के प्रति झुकाव इतना प्रबल था कि अपने पुत्र मोहन राव को भी इस महान कार्य के लिए निरंतर गढ़ते रहे। एक पारसमणि मधुकर राव ने मोहन राव के रूप में एक और पारसमणि तैयार कर दी।

डॉ. भागवत का पूरा जीवन सतत प्रेरणा देने वाला रहा है। वे 1970 के दशक के मध्य में प्रचारक बने। गत 100 वर्षों में देशभक्ति की प्रेरणा से भरे हजारों युवक-युवतियों ने अपना घर-परिवार त्याग करके पूरा जीवन संघ परिवार के माध्यम से राष्ट्र को समर्पित किया है। डॉ.भागवत ने उस समय प्रचारक का दायित्व संभाला, जब तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने देश पर इमरजेंसी थोप दी थी। उस दौर में प्रचारक के रूप में भागवत ने आपातकाल-विरोधी आंदोलन को निरंतर मजबूती दी। उन्होंने कई वर्षों तक महाराष्ट्र के ग्रामीण और पिछड़े इलाकों, विशेषकर विदर्भ में काम किया। 1990 के दशक में अखिल भारतीय शारीरिक प्रमुख के रूप में डॉ. मोहन भागवत के कार्यों को आज भी कई स्वयंसेवक स्नेह पूर्वक याद करते हैं। इसी कालखंड में डॉ.भागवत ने बिहार के गांवों में अपने जीवन के अमूल्य वर्ष बिताए और समाज को सशक्त करने के कार्य में समर्पित रहे।

सरसंघचालक होना मात्र एक संगठनात्मक जिम्मेदारी नहीं है। यह एक पवित्र विश्वास है, जिसे पीढ़ी-दर-पीढ़ी दूरदर्शी व्यक्तित्वों ने आगे बढ़ाया है और इस राष्ट्र के नैतिक और सांस्कृतिक पथ को दिशा दी है। असाधारण व्यक्तियों ने इस भूमिका को व्यक्तिगत त्याग, उद्देश्य की स्पष्टता और मां भारती के प्रति अटूट समर्पण के साथ निभाया है। यह गर्व की बात है कि डॉ. मोहन

भागवत ने न केवल इस विशाल जिम्मेदारी के साथ पूर्ण न्याय किया है, बल्कि इसमें अपनी व्यक्तिगत शक्ति, बौद्धिक गहराई और सहृदय नेतृत्व भी जोड़ा है। डॉ. भागवत का युवाओं से सहज जुड़ाव है और इसलिए उन्होंने अधिक से अधिक युवाओं को संघ कार्य के लिए प्रेरित किया है। वे लोगों से प्रत्यक्ष संपर्क में रहते हैं, और संवाद करते रहते हैं।

श्रेष्ठ कार्य पद्धति को अपनाने की इच्छा और बदलते समय के प्रति खुला मन रखना, ये डॉ.मोहन की बहुत बड़ी विशेषता रही है। अगर हम व्यापक संदर्भ में देखते हैं तो संघ की 100 साल की यात्रा में डॉ.भागवत का कार्यकाल संघ में सर्वाधिक परिवर्तन का कालखंड माना जाएगा। चाहे वो गणवेश परिवर्तन हो, संघ शिक्षा वर्गों में बदलाव हो, ऐसे अनेक महत्वपूर्ण परिवर्तन उनके निर्देशन में संपन्न हुए।

कोरोना काल में डॉ. मोहन भागवत के प्रयास विशेष रूप से याद आते हैं। उस कठिन समय में उन्होंने स्वयंसेवकों को सुरक्षित रहते हुए समाजसेवा करने की दिशा दी और टेक्नोलॉजी का उपयोग बढ़ाने पर बल दिया। उनके मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों ने जरूरतमंदों तक हरसंभव सहायता पहुंचाई, जगह-जगह मेडिकल कैंप लगाए। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों और वैश्विक विचार को प्राथमिकता देते हुए व्यवस्थाओं को विकसित किया। हमें कई स्वयंसेवकों को खोना भी पड़ा, लेकिन डॉ.भागवत की प्रेरणा ऐसी थी कि अन्य स्वयंसेवकों की दृढ़ इच्छाशक्ति कमजोर नहीं पड़ी।

इस वर्ष की शुरुआत में, मैंने नागपुर में उनके साथ माधव नेत्र चिकित्सालय के उद्घाटन के दौरान कहा था कि संघ अक्षयवट की तरह है, जो राष्ट्रीय संस्कृति और चेतना को ऊर्जा देता है। इस अक्षयवट वृक्ष की जड़ें इसके मूल्यों की वजह से बहुत गहरी और मजबूत हैं। समाज कल्याण के लिए संघ की शक्ति के निरंतर उपयोग पर डॉ. मोहन भागवत का विशेष बल रहा है। इसके लिए उन्होंने पंच परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया है। इसमें स्व-बोध, सामाजिक समरसता, नागरिक शिष्टाचार, कुटुंब प्रबोधन और पर्यावरण के सूत्रों पर चलते हुए राष्ट्र निर्माण को प्राथमिकता दी गई है। देश और समाज के लिए सोचने वाले हर भारतवासी को पंच परिवर्तन के इन सूत्रों से अवश्य प्रेरणा मिलेगी। पिछले दिनों देश में जितने सफल जन-आंदोलन हुए चाहे स्वच्छ भारत मिशन हो या बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, डॉ. मोहन भागवत ने पूरे संघ परिवार को इन आंदोलनों में ऊर्जा भरने के लिए प्रेरित किया। मैं पर्यावरण से जुड़े प्रयासों और सस्टेनेबल लाइफस्टाइल को आगे बढ़ाने के प्रति उनके समर्पण को जानता हूं।

डॉ. भागवत का बहुत जोर आत्मनिर्भर भारत पर भी है। कुछ ही दिनों में विजयादशमी पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 100 वर्ष का हो जाएगा। यह भी सुखद संयोग है कि विजयादशमी का पर्व, गांधी जयंती, लाल बहादुर शास्त्री की जयंती और संघ का शताब्दी वर्ष एक ही दिन आ रहे हैं। यह भारत और विश्वभर के लाखों स्वयंसेवकों के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। हम स्वयंसेवकों का सौभाग्य है कि हमारे पास डॉ. मोहन भागवत जैसे दूरदर्शी और परिश्रमी सरसंघचालक हैं, जो ऐसे समय में संगठन का नेतृत्व कर रहे हैं। एक युवा स्वयंसेवक से लेकर सरसंघचालक तक की उनकी जीवन यात्रा उनकी निष्ठा और वैचारिक दृढ़ता को दर्शाती है। विचार के प्रति पूर्ण समर्पण और व्यवस्थाओं में समयानुकूल परिवर्तन करते हुए उनके नेतृत्व में संघ कार्य का निरंतर विस्तार हो रहा है। मैं मां भारती की सेवा में समर्पित डॉ. मोहन भागवत के दीर्घ और स्वस्थ जीवन की पुनः कामना करता हूं। उन्हें जन्मदिवस पर अनेकानेक शुभकामनाएं।

दिवस विशेष

डॉ. योगिता राघव

विवेकानंद के शिकागो भाषण को अपने जीवन में उतारें

शिकागो में 11 सितम्बर 1893 के ऐतिहासिक दिन विश्व धर्म सम्मेलन में स्वामी विवेकानंद ने अपने अविस्मरणीय, अविश्वसनीय, अद्वितीय व ऐतिहासिक भाषण से न केवल भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को विश्व पटल पर स्थापित किया, बल्कि पूरी दुनिया को सहिष्णुता, सार्वभौमिकता और मानवता का अमूल्य संदेश दिया और भारत के युवाओं में एक नई चेतना और आत्मविश्वास का संचार भी किया। "मेरे अमेरिकी बहनों और भाइयों" कहकर जैसे ही उन्होंने अपना संबोधन प्रारंभ किया, सभागार गगनभेदी तालियों से गूंज उठा। यह भाषण केवल शब्दों का संगम नहीं था, बल्कि भारतीय संस्कृति की सहिष्णुता, भाईचारे और विश्व बंधुत्व का उद्घोष था। आज, 132 वर्ष बाद भी यह उतना ही प्रासंगिक और प्रेरणादायी है। स्वामी विवेकानंद ने स्पष्ट कहा कि भारत केवल सहिष्णुता का ही नहीं, बल्कि सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करने का देश है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि भारत ने सदैव सताए गए और शरणार्थी समुदायों, चाहे वे यहूदी हों या पारसी, को खुले हृदय से अपनाया है। यह विचार आज की दुनिया के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जहां कट्टरता और संकीर्णता के बीच शांति और सद्भाव का मार्ग खोजा जा रहा है। विवेकानंद ने अपने भाषण में कट्टरता और हठधर्मिता को मानव समाज का सबसे बड़ा शत्रु बताया। उन्होंने कहा कि इनसे धरती बार-बार खून से लाल हुई है और सभ्यताएं मिट गई हैं। अब समय आ गया है जब मानवता को ऐसे दानवों से मुक्त होकर भाईचारे और एकता की ओर बढ़ना होगा। विश्व धर्म सम्मेलन दुनिया को यदि कुछ दिखा सकता है तो वह होगा, धर्मों की पवित्रता, शुद्धता और पुण्यता, क्योकि धर्मों से ही इंसान के चरित्र का निर्माण होता है। यदि धार्मिक एकता के समय भी कोई यह सोचता है कि उसी के धर्म का विस्तार हो और दूसरे धर्मों का विनाश हो तो ऐसे लोगों के लिए मुझे दिल से लज्जा महसूस होती है। स्वामी विवेकानंद

केवल आध्यात्मिक गुरु ही नहीं, बल्कि युवाओं के मार्गदर्शक भी थे। उन्होंने भारत के युवाओं को प्रेरित करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनका मानना था कि देश का भविष्य युवाओं के हाथों में है। उनका प्रसिद्ध मंत्रः "उठो, जागो और तब तक न रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।" आज भी हर युवा के लिए जीवन का मार्गदर्शन है। उनका विश्वास था कि आत्मविश्वास और साहस के बल पर युवा न केवल अपना भविष्य गढ़ सकते हैं, बल्कि राष्ट्र को भी नई ऊंचाइयों पर पहुंचा सकते हैं। विवेकानंद का संदेश केवल धार्मिक एकता का आह्वान नहीं था, बल्कि यह युवाओं के लिए भी दिशा-निर्देश था। उन्होंने युवाओं को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनने तथा जाति-धर्म के भेदभाव से ऊपर उठकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। वह चाहते थे कि युवा भारत को एक मजबूत और विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एक साथ आएं। आज का युवा डिजिटल युग में अवसरों के साथ-साथ बेरोजगारी, तनाव और पहचान के संकट जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे समय में विवेकानंद का शिकागो भाषण युवाओं को आत्मबल देता है और याद दिलाता है कि वे उस महान संस्कृति के उत्तराधिकारी हैं, जिसने दुनिया को शांति, सहिष्णुता और मानवता का पाठ पढ़ाया है। उनके विचारों का अनुसरण करके, युवा न केवल अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं, बल्कि राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। स्वामी विवेकानंद के विचारों को आज भी कई संगठन जमीनी स्तर पर आगे बढ़ा रहे हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) जैसे छात्र संगठन विवेकानंद के इन्हीं विचारों को जमीनी स्तर पर लागू करने का प्रयास कर रहे हैं। एबीवीपी का मूल मंत्र, छात्र शक्ति, राष्ट्र शक्ति, सीधे विवेकानंद के उस दर्शन से जुड़ा है जिसमें उन्होंने युवाओं को राष्ट्र निर्माण का सबसे बड़ा उपकरण माना था। एबीवीपी युवाओं को समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण और चरित्र निर्माण की दिशा में प्रेरित कर रहा है। स्वामी विवेकानंद ने जो विचार दिए, एबीवीपी उन्हें एक आंदोलन के रूप में आगे बढ़ा रही है। विवेकानंद ने युवाओं को जो सपना दिखाया था, एबीवीपी के कार्यकर्ता उसे साकार करने की दिशा में काम कर रहे हैं। स्वामी विवेकानंद का शिकागो भाषण केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि शाश्वत संदेश है जो हर पीढ़ी के भारतीय युवाओं को प्रेरित करता रहेगा। आज उनके शिकागो भाषण की वर्षगांठ पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि उनके विचारों को केवल पढ़ा ही न जाए, बल्कि जीवन में उतारा भी जाए। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

(लेखिका अभाविप गुरुग्राम की महानगर अध्यक्ष हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मृत्यु के उपरांत ही समाप्त होती है यात्रा

संकलित

दर्शन

शरीर में समाहित ऊर्जापुंज को आत्मा कहा गया है। यह आत्मा अनंत ऊर्जा अर्थात परमात्मा का एक अति सूक्ष्म अंशमात्र है। भौतिक जगत में रहते हुए यह भौतिक शरीर एक यात्री के सदृश होता है। शरीर के जन्म के साथ ही यात्रा प्रारंभ होती है एवं मृत्यु के उपरांत समाप्त हो जाती है। अर्थात भौतिक शरीर के लिए जीवन एक यात्रा के समतुल्य है। जन्म के साथ ही ऊर्जापुंज अर्थात आत्मा भौतिक शरीर से संयुक्त होकर उसकी यात्रा में सहयात्री की भूमिका का निर्वहन करने लगता है एवं मरणोपरांत स्वयं को यात्रा से अलग कर लेता है। यह कहा जा सकता है कि भौतिक शरीर की यात्रा का आदि और अंत स्पष्टतः ज्ञात होता है, परंतु ऊर्जापुंज जिसे आत्मा कहकर संबोधित किया जाता है, अपनी यात्रा के आदि और अंत से सर्वथा अपरिचित होता है। आत्मा की यात्रा कब और क्यों प्रारंभ हुई तथा कब और क्यों पूर्ण होगी? इन प्रश्नों का हल आज भी एक चुनौती के रूप में खड़ा है। ऊर्जापुंज अगणित भौतिक शरीरों की भौतिक यात्रा में सहयात्री की भूमिका को निभाता हुआ अपनी अनंत दिव्ययात्र को जारी रखता है। अर्थात आत्मा की इस अलौकिक यात्रा में अनंत लौकिक यात्राएं शामिल होती हैं। इस अलौकिक यात्रा के संबंध में केवल इतना ही कहा जा सकता है कि यह यात्रा अनंत से प्रारंभ होकर अनंत पर ही पूर्ण होगी, किंतु अनंत को परिभाषित करना भी असंभव है। अनंत को अज्ञात का पर्याय माना जा सकता है। प्रश्न यह उठता है कि इस अनंत गति को अनवरत जारी रखने के लिए आवश्यक बल किस स्नेत से प्राप्त होता है?

विचार अच्छे नहीं तो नीयत साफ नहीं

संकलित

प्रेरणा

महाभारत में द्युत क्रीड़ा में युधिष्ठिर दुर्योधन और शकुनि से सब कुछ हार गए थे। उस समय ये तय हुआ था कि जब पांडव 12 वर्ष का वनवास और 1 वर्ष का अज्ञातवास पूरा कर लेंगे, तब उन्हें उनका हारा हुआ राज्य लौटा दिया जाएगा। युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल, सहदेव और द्रौपदी का 12 वर्ष का वनवास और 1 वर्ष का अज्ञातवास पूरा हो गया था। शर्त के मुताबिक, दुर्योधन को पांडवों का राज्य लौटाना था। इसके लिए श्रीकृष्ण पांडवों के दूत बनकर हस्तिनापुर पहुंचे। भगवान ने दुर्योधन से कहा कि पांडवों ने वनवास पूरा कर लिया है, अब उन्हें उनका राज्य लौटा दो। श्रीकृष्ण की बात सुनने के बाद दुर्योधन ने पांडवों को राज्य लौटाने से मना कर दिया। दुर्योधन ने कहा कि वो पांडवों को एक गांव भी नहीं देगा। दुर्योधन की जिद के आगे धृतराष्ट्र, भीष्म, द्रोणाचार्य भी कुछ बोल नहीं सके। इसके बाद श्रीकृष्ण दरबार से जाने लगे तो दुर्योधन ने उनसे कहा कि आप हमारे अतिथि हैं, आप बिना भोजन किए न लौटें। श्रीकृष्ण ने कहा कि मैं किसी के यहां खाना खाते समय दो बातें ध्यान रखता हूं। पहली, मुझे बहुत भूख लगी हो। दूसरी, सामने वाला मुझे बहुत प्रेम से खिला रहा हो। अभी ये दोनों ही बातें नहीं हैं, न तो मुझे भूख है और न ही तुम मुझे प्रेम से निमंत्रण दे रहे हो। जैसा तुम्हारा स्वभाव है, इसमें भी कोई षड़यंत्र हो सकता है। इतना कहकर श्रीकृष्ण वहां से चले गए और बाद में भगवान ने विदुर के यहां भोजन किया था।

अंतर्मन

आज की पाती

राहुल कांग्रेस का खोया गौरव लौटाने को बेताब

राहुल कांग्रेस के खोए गौरव को लौटाने बेताब राहुल ने उत्तरप्रदेश में पहला रोड शो अपने बहन प्रियंका गांधी के साथ मिलकर तैयार की गई पटकथा से भटके बिना की हो। लोगो से हाथ मिलाना और जातिविहीन समाज सरीखे उदार मुद्दे उठाना राहुल का क्रम बन चुका है। लेकिन उनको पता लग पाता है तब तक वे कुछ न कुछ ऐसा बोल जाते है, जो मुद्दा बन जाता है। हालांकि, प्रधानमंत्री के पद तक पहुंचने के लिए राहुल को बडी कीमत चुकानी पड़ेगी। यह आसान भी नही है। राहुल ब्रांड बिहार की धूल घुसरित गलियों में उतार दिया गया। दरअसल,गांधी परिवार होने के बावजूद कांग्रेस को उनसे उम्मीदे बेहिसाब है। *-कांतिलाल मांडोत, सूरत*

करंट अफेयर

ब्रिटेन में सिख विरासत के संरक्षण का आह्वान

पूर्व राज्यसभा सदस्य सरदार तरलोचन सिंह ने ब्रिटिश सिख सांसदों और उनके साथियों से महाराजा रणजीत सिंह के बिखरे हुए खजानों पर प्रामाणिक शोध कराने का आह्वान किया है ताकि उन्हें उचित रूप से सूचीबद्ध किया जा सके और भावी पीढ़ियों के लिए एक संग्रहालय में संरक्षित किया जा सके। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष सोमवार शाम लंदन के हाउस ऑफ लॉर्ड्स परिसर में ब्रिटिश सिख एसोसिएशन द्वारा उनके सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सिंह (92) ने उन खबरों की ओर इशारा किया जिनमें औपनिवेशिक काल की एक फाइल का खुलासा हुआ था जिसमें भारत में

सिख साम्राज्य के 19वीं सदी के शासक के कई खजानों का दस्तावेजीकरण किया गया था। सिंह ने कहा, 'महाराजा रणजीत सिंह के तोशाखाने (खजाने) से खजानों की एक सूची जारी की जानी चाहिए ताकि हमारे बच्चे हमारी सिख विरासत पर गर्व कर सकें।' उन्होंने कहा, 'ऐतिहासिक अभिलेखों में उल्लेख है कि गुरु गोबिंद सिंह जी का पवित्र पंख, जो उनकी पगड़ी को सुशोभित करता था, तोशाखाने में रखा जाता था और महाराजा रणजीत सिंह उसे प्रतिदिन छूते थे।'

ऑफ बीट

दांतों की दैनिक सफाई में छिपा प्लास्टिक संकट

दांतों की नियमित सफाई, फ्लॉसिंग और छह महीने में एक बार दंत चिकित्सक से दांतों की जांच कराना। ये सभी दांतों की सफाई के लिए जरूरी कदम माने

जाते हैं। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि ये दैनिक आदतें अनजाने में पृथ्वी पर माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण को बढ़ावा दे रही हैं। शोध से पता चला है कि टूथपेस्ट, फ्लॉस, टूथब्रश और दंत चिकित्सकों द्वारा उपयोग की जाने वाली सामग्री के माध्यम से हर दिन माइक्रोप्लास्टिक के अरबों कण जल प्रणाली में पहुंच रहे हैं। विशेषज्ञों ने बताया कि प्लास्टिक माइक्रोबीड पर कई देशों में प्रतिबंध लग चुका है, लेकिन आज भी कई टूथपेस्ट में माइक्रोप्लास्टिक मौजूद होते हैं। वहीं, अधिकांश डेंटल फ्लॉस नायलॉन या टेफ्लॉन जैसे गैर-जैव अपघटनीय पदार्थों से बने होते हैं, जो पर्यावरण में लंबे समय तक बने रहते हैं। टूथब्रश दैनिक जीवन का उपयोगी हिस्सा है। लेकिन ये टूथब्रश भी इस संकट में योगदान दे रहे हैं। सामान्य उपयोग के दौरान उनके नायलॉन ब्रिसल के छोटे-छोटे कण टूटकर पानी के माध्यम से जल प्रणाली में प्रवेश कर जाते हैं। ये कण मलजल में प्रवेश करते हैं, उपचार प्रणालियों से गुजरते हैं और अंततः समुद्री खाद्य श्रृंखलाओं में पहुंच जाते हैं, जहां इन्हें प्लवक, शंख, मछली खा जाते हैं और अंततः यह मनुष्य के शरीर में पहुंच जाते हैं।

X ट्रेंड f

रेल सेवाओं का विस्तार

आत्मनिर्भर और विकसित भारत के विजन के अनुरूप हम देशभर में रेल सेवाओं के विस्तार के लिए संकल्पबद्ध हैं। इसी दिशा में भागलपुर–दुमका–रामपुरहाट रेल लाइन के दोहरीकरण को मंजूरी दी गई है। इससे यहां के लोगों का जीवन आसान होगा।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रकृति का विकास

हम बीटीआर में न केवल बुनियादी ढाँचे के विकास और सामाजिक कल्याण पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, बल्कि यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि इस खूबसूरत क्षेत्र में प्रकृति का विकास हो। सरकार ने प्राकृतिक परिवेश की रक्षा और पशु-पक्षियों की आबादी को संरक्षित करने के लिए कई कदम उठाए हैं।

- हिमंत बिस्वा सरमा, सीएम, असम

युवक को न्याय मिले

निर्मम भाजपा सरकार से हताश होकर एक युवा ने आत्मदाह के द्वारा सरकार को जगाने के लिए जो कोशिश की है वो बेहद दर्दनाक है। भाजपा सरकार घायल युवक को अच्छे से अच्छा इलाज-उपचार सुनिश्चित करे और युवक को न्याय प्रदान करे।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

काठमांडू में फंसे यात्री

यह बेहद चिंताजनक है कि नेपाल में बिगड़े हालातों के बीच, बड़ी संख्या में राजस्थान के यात्री काठमांडू में फंसे हुए हैं। प्रदेश सरकार को वहां फंसे यात्रियों को सुरक्षित राजस्थान लाने का इंतजाम करना चाहिए।

-अशोक गहलौत, पूर्व सीएम, राजस्थान

भारत और मॉरीशस सिर्फ पार्टनर नहीं, परिवार हैं, वाराणसी में बोले पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज (11 सितंबर) उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के एक दिवसीय दौरे पर हैं। वाराणसी दौरे के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने मॉरीशस के अपने समकक्ष नवीनचंद्र रामगुलाम से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय वार्ता भी की। बाद में प्रधानमंत्री मोदी उत्तराखंड के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मोदी और रामगुलाम द्विपक्षीय सहयोग के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगे, जिसमें विकास साझेदारी और क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मुझे अपने संसदीय क्षेत्र में आपका स्वागत करने का अवसर मिल रहा है। चीन काल से काशी भारत की सभ्यता और

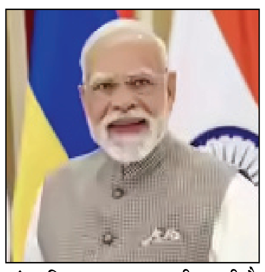

सांस्कृतिक आत्मा का प्रतीक रही है। हमारी संस्कृति और संस्कार सदियों पहले भारत से मॉरीशस पहुंचे और वहाँ की जीवन-पद्धति में रच-बस गए। काशी में माँ गंगा की अविरल धारा की तरह, भारतीय संस्कृति का अविरल प्रवाह मॉरीशस को समृद्ध करता रहा है और आज, जब हम मॉरीशस के साथियों का काशी में स्वागत कर रहे हैं, तो यह सिर्फ.एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक मिलन है इसलिए मैं गर्व से कहता हूं कि भारत और मॉरीशस सिर्फ पार्टनर नहीं बल्कि एक परिवार है।

कतर की संप्रभुता के उल्लंघन की निंदा करता है भारतः प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली,दोहा में हमास के नेताओं को निशाना बनाकर किए गए इजराइल के हवाई हमलों के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कतर की संप्रभुता के उल्लंघन की बुधवार को निंदा की। मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी से बात की और दोहा में हुए हमलों पर गहरी चिंता जतायी। भारत बंधुत्वपूर्ण देश कतर की संप्रभुता के उल्लंघन की निंदा करता है। उन्होंने कहा, हम मुद्दों के बातचीत और कूटनीति के माध्यम से समाधान तथा तनाव को बढ़ने से रोकने का समर्थन करते हैं। भारत क्षेत्र में शांति और स्थिरता के समर्थन में तथा सभी तरह के आतंकवाद के विरुद्ध दृढ़ता से खड़ा है। हमले के बाद, हमास ने कहा कि इजराइली हवाई हमले में उसके पांच सदस्य मारे गए। हालांकि, उसने यह भी कहा कि उसके नेताओं की हत्या का इजराइल का प्रयास विफल रहा। हमास ने कहा कि जब हमला हुआ, तब उसकी वार्ता टीम एक इमारत में गाजा पट्टी में युद्धविराम के लिए अमेरिका के प्रस्ताव पर विचार-विमर्श कर रही थी। भारत की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने में कतर की भूमिका की सराहना की, जिसमें गाजा में युद्ध विराम और सभी बंधकों की रिहाई के लिए मध्यस्थता के प्रयास भी शामिल हैं।

बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री ने बातचीत और कूटनीति के जरिए सभी मुद्दों के समाधान और तनाव को बढ़ने से रोकने की जरूरत पर जोर दिया। बयान में कहा गया है, शेख तमीम ने कतर के लोगों और राज्य के साथ एकजुटता दिखाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त किया।

राजनाथ सिंह ने रवाना किया 'समुद्र प्रदक्षिणा', दुनिया में बजेगा नारी शक्ति का डंका!

एजेंसी

नई दिल्ली, नारी शक्ति और विकसित भारत के विजन को याद करते हुए, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया से दुनिया के पहले ऐतिहासिक त्रि-सेवा महिला परिक्रमा नौकायन अभियान, समुद्र प्रदक्षिणा को वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साउथ ब्लॉक से अपने संबोधन में, रक्षा मंत्री ने इस यात्रा को नारी शक्ति, तीनों सेनाओं की सामूहिक शक्ति, एकता और संयुक्तता, आत्मनिर्भर भारत और उसकी सैन्य कूटनीति और वैश्विक दृष्टिकोण का एक ज्वलंत प्रतीक बताया।

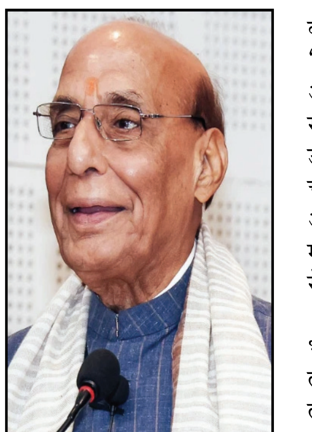

अगले नौ महीनों में, 10 महिला अधिकारी स्वदेश निर्मित भारतीय सेना नौकायन पोत त्रिवेणी पर सवार होकर लगभग 26,000 समुद्री मील की दूरी तय करते हुए पूर्वी मार्ग पर यात्रा करेंगी। वे भूमध्य रेखा को दो बार पार करेंगी, तीन महान अंतरीपों - लीउविन, हॉर्न और गुड होप - का चक्कर लगाते हुए सभी प्रमुख महासागरों और दक्षिणी महासागर और ड्रेक पैसेज सहित कुछ सबसे खतरनाक जलक्षेत्रों को कवर करेंगी। मई 2026 में मुंबई लौटने से पहले टीम चार अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाहों का दौरा भी करेगी।

राजनाथ सिंह ने समुद्र प्रदक्षिणा को न केवल एक जहाज पर की जाने वाली यात्रा, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना और अनुशासन व दृढ़ संकल्प की यात्रा भी बताया। उन्होंने कहा, 'अभियान के दौरान, हमारे अधिकारियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन उनके दृढ़ संकल्प की लौ अंधकार को चीरती रहेगी। वे सुरक्षित घर लौटेंगे और दुनिया को दिखाएंगे कि भारतीय महिलाओं का पराक्रम किसी भी सीमा से परे है।'

रक्षा मंत्री सिंह ने हाल ही में दो भारतीय महिला नौसेना अधिकारियों लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए द्वारा हासिल की गई असाधारण उपलब्धि को याद किया, जिन्होंने साहस और समर्पण के साथ कई चुनौतियों का सामना करते हुए, एक अन्य स्वदेशी पोत, आईएनएस तारिणी पर सवार होकर, सफलतापूर्वक दुनिया की परिक्रमा की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आईएएसवी त्रिवेणी समुद्री साहसिक कार्य में एक और वैश्विक मानक स्थापित करेगी और भारत की समुद्री यात्रा में एक और स्वर्णिम अध्याय लिखेगी।

मौसम

अधिकतम तापमान 42.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

संसेक्स 82,530.74

निफटी 25,062.10

देशभक्ति और देवभक्ति अलग-अलग नहीं : डॉ. मोहन भागवत

एजेंसी

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी ने कहा कि देवभक्ति और देशभक्ति, यह दो शब्द भले ही अलग दिखते हों, लेकिन हमारे देश में यह शब्द अलग नहीं है। जो वास्तविक देवभक्ति करेगा, वह देश की भी भक्ति करेगा। और जो प्रामाणिकता से देशभक्ति करेगा, उससे भगवान देवभक्ति भी करवा लेंगे। यह तर्क नहीं है, अनुभव की बात है। सरसंघचालक जी आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा नागपुर के मानकापुर क्रीडा स्टेडियम में आयोजित सोमनाथ ज्योतिर्लिंग महारुद्र पूजा के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मंच पर आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर जी भी उपस्थित थे। सरसंघचालक जी ने कहा कि इतिहास भी जब जागा नहीं था, तबसे भारत देश अस्तित्व में है। शिवशंकर जी आदिगुरू हैं। सबके अंदर जो एकतत्व है, उसको जानने के 108 रास्ते हैं। सबको सिखाने वाले शिवजी हैं। मनुष्यों की प्रकृति अनेक प्रकार की है। सबको एक ही रास्ता सुहाता नहीं। रुचिवैचित्र्य के कारण अनेक प्रकार के रास्ते हैं। लेकिन जाना सभी को एक ही जगह है। यह जो नाना पथ हैं, इसके उद्गाता शिवजी हैं। उन्होंने कहा कि तपस्या भारत में ही है।

पांच और एयरपोर्ट्स पर फास्ट ट्रैक इमिग्रेशन सुविधा का उद्घाटन

प्रवासियों की बढ़ेगी सुविधा : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली, 'फास्ट ट्रैक इमिग्रेशन - ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम' (एफटीआई-टीटीपी) का और विस्तार करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लखनऊ, अमृतसर, कोझीकोड, तिरुवनंतपुरम और तिरुचिरापल्ली के पाँच और हवाई अड्डों पर इस सुविधा का शुभारंभ किया। गृह मंत्री ने इससे पहले 22 जून, 2024 को नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) के टर्मिनल-3 से

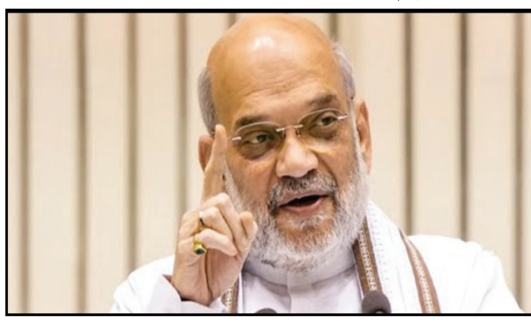

एफटीआई-टीटीपी का शुभारंभ किया था। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि यह कार्यक्रम इन हवाई अड्डों पर निर्बाध आव्रजन सुविधाएँ प्रदान करेगा और अप्रवासियों की सुविधा को बढ़ाएगा। केंद्रीय मंत्री ने इस प्रगति को अत्यंत हर्ष और गौरव की बात बताया।

उन्होंने शिकागो में विश्व धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक भाषण की वर्षगांठ पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और आशा व्यक्त की कि देश उनके दिखाए मार्ग पर आगे बढ़ता रहेगा। अमित शाह ने कहा कि आज, फास्ट ट्रैक इमिग्रेशन-ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम में पाँच और हवाई अड्डे जुड़ रहे हैं। यह हमारे लिए अत्यंत हर्ष और गर्व की बात है। इससे न केवल प्रवासियों की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि हमें उन्हें इस देश में हो रहे बदलावों से परिचित कराने का भी एक अच्छा अवसर मिलेगा। आज, जिस दिन हम इस सुविधा का उद्घाटन कर रहे हैं, उसी दिन 132 वर्ष पूर्व 1893 में स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में भाषण देकर दुनिया को भारत, इसकी संस्कृति और सनातन धर्म से परिचित कराया था। आज, 2025 तक, हम अपनी संस्कृति और सनातन धर्म के सिद्धांतों को पूरे विश्व में फैलाने में सफल रहे हैं। आज, मैं युग प्रवर्तक स्वामी विवेकानंद जी को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ, और यह आशा भी व्यक्त करता हूँ कि हम उनके दिखाए मार्ग पर निरन्तर आगे बढ़ते रहेंगे और इस देश के गौरव से सदैव जुड़े रहेंगे।

शाह ने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि अधिक से अधिक यात्रियों को इस पहल का लाभ मिले। उन्होंने कहा कि आज का दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसके तहत गति, कौशल और दायरे को एक ही कार्यक्रम में एकीकृत किया गया है जिसका उद्देश्य आव्रजन सेवाओं को बढ़ाना है। इस पहल का अगला चरण आज से शुरू हो रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा कहा है कि तकनीकी उपकरणों के साथ-साथ हमें विश्वास बढ़ाने वाले के रूप में काम करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड के धनबाद में मकान ढहने से दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत

एजेंसी

धनबाद, झारखंड के धनबाद जिले में बुधवार शाम भारी बारिश के बाद एक जर्जर मकान ढहने से दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। घटना लोदना पुलिस चौकी के अंतर्गत आने वाले बीसीसीएल के एक क्वार्टर में हुई। अधिकारी ने बताया कि मकान ढहने के बाद कम से कम सात लोग मलबे में दब गए। स्थानीय निवासियों और एक खुदाई मशीन की मदद से सभी को मलबे से निकालकर धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) ले जाया गया। एसएनएमएमसीएच के अधीक्षक डॉ. दिनेश कुमार गिंदौरिया ने बताया कि सात लोगों को अस्पताल लाया गया। उन्होंने कहा, ह्लउनमें से तीन को मृत घोषित कर दिया गया और चार अन्य का इलाज किया जा रहा है।

रेल मंत्री वैष्णव ने जयपुर में रेलवे के विकास कार्यों का निरीक्षण किया

एजेंसी

नई दिल्ली, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को जयपुर जंक्शन, गांधीनगर और खातीपुरा रेलवे स्टेशनों पर जारी विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया और उनकी प्रगति की समीक्षा की। वैष्णव दिल्ली से खातीपुरा रेलवे स्टेशन पहुंचे। उन्होंने वहां विकसित की जा रही कोच रखरखाव इकाई के मॉडल का निरीक्षण किया। उन्होंने जगतपुरा में एक स्थानीय कार्यक्रम में भी भाग लिया। कार्यक्रम से इतर वैष्णव ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने रेलवे के विकास कार्यों के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की है।

छत्तीसगढ़ में बड़ा एनकाउंटर, 10 नक्सली ढेर

1 करोड़ का इनामी बालकृष्ण भी मारा गया

एजेंसी

नई दिल्ली, सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी उपलब्धि के रूप में छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में गुरुवार को एक मुठभेड़ के दौरान शीर्ष माओवादी कमांडर मोडेम बालकृष्ण उर्फ मनोज समेत 10 नक्सलियों को मार गिराया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हालांकि, मुठभेड़ अभी भी जारी है, इसलिए संख्या बढ़ने की उम्मीद है। मुठभेड़ के बारे में जानकारी देते हुए, रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा ने बताया

कि क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान मैनपुर थाना क्षेत्र के जंगल में मुठभेड़ शुरू हुई। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), कोबरा (सीआरपीएफ की एक विशिष्ट इकाई - कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन) और अन्य राज्य पुलिस इकाइयों के जवान इस अभियान में शामिल हैं। अभी भी रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है। सुरक्षा बलों ने पिछले कुछ महीनों में नक्सलियों के खिलाफ कई अभियान चलाए हैं। गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वामपंथी आतंकवाद को खत्म करने का लक्ष्य 31 मार्च, 2026 रखा है। इससे पहले, नारायणपुर जिले में विभिन्न इकाइयों के निचले स्तर के 16 नक्सलियों ने भी आत्मसमर्पण किया। पुलिस के अनुसार, नक्सली खोखली माओवादी विचारधारा और उनके द्वारा निर्दोष आदिवासियों पर किए जा रहे अत्याचारों से निराश थे। पुलिस अधीक्षक के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि वे (शीर्ष माओवादी नेता) स्थानीय लोगों को जल, जंगल और जमीन की रक्षा, समानता और न्याय के झूठे वादों से गुमराह करते हैं, और उनका शोषण और उन्हें गुलाम बनाते हैं। स्थानीय कार्यकताओं को गंभीर शोषण का सामना करना पड़ता है, और महिला माओवादियों की स्थिति और भी बदतर है।

जितनी ऊंची होगी बेटियों की उड़ान, उतना ही उज्ज्वल होगा भारत का भविष्यः सिंधिया

एजेंसी

नई दिल्ली, केंद्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने अशोकनगर में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि अब प्रधानपति, सरपंचपति, जिला पंचायत पति और अध्यक्षपति जैसी प्रथाओं को खत्म करना होगा और महिलाओं को अपना हक अपने हाथों में लेना होगा। दरअसल, आज केन्द्रीय मंत्री ने आज बृहस्पतिवार को अशोकनगर में रेवा शक्ति अभियान, हृदय योजना और एकल सेवा पोर्टल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सिंधिया ने महिलाओं को दूसरी पंक्ति में धकेलने वाली इन प्रथाओं की आलोचना की और महिलाओं को उनका असली हक दिलाने के संकल्प का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने महिलाओं को बेटियों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि बेटी केवल परिवार की ज़िम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की पहचान है। जब एक बेटी जन्म लेती है तो वह केवल घर का नहीं बल्कि पूरे समाज का भविष्य गढ़ती है। उन्होंने एकल सेवा पोर्टल, हृदय योजना और रेवा शक्ति अभियान से क्षेत्र को मिलने वाले लाभों को भी रेखांकित करते हुए कहा कि यह योजनाएं क्षेत्र में सुशासन की नई परिभाषा गढ़ेगी। सिंधिया ने रेवा शक्ति अभियान के मुख्य उद्देश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि बेटियाँ बोझ नहीं, वरदान हैं। इस अभियान के अंतर्गत जिले के केवल एक या दो बेटियों वाले परिवारों का पंजीयन किया गया है। उन्हें विशेष डिजिटल कार्ड दिए जा रहे हैं, पंजीकृत परिवारों को शिक्षा शुल्क में छूट, स्वास्थ्य सेवाओं में प्राथमिकता, छात्रवृत्ति, किराए में रियायत और सामाजिक सम्मान जैसी सुविधाएँ मिलेंगी। इससे बेटियों को पढ़ाई और आगे बढ़ने के लिए एक मजबूत मंच मिलेगा।

वोट चोरी पर भविष्य में और भी विस्फोटक सबूत पेश करेंगे : राहुल गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर वोट चोरी के अपने आरोपों को दोहराते हुए दावा किया कि भविष्य में वह इस संबंध में और भी डायनेमिक एक्सप्लोसिव (विस्फोटक) सबूत पेश करेंगे। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में गांधी ने संवाददाताओं से कहा, महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक के चुनाव में वोट चोरी हुई है। हमने ब्लैक और व्हाइट सबूत दिए हैं। आने वाले समय में, हम और भी डायनेमिक सबूत देंगे। कांग्रेस सांसद ने कहा कि वोट चोर, गद्दी छोड़ का नारा अब पूरे देश में गूंज रहा है। उन्होंने कहा, हम आपको दिखाएंगे, भारत के युवाओं, सुनो, यही सच्चाई है और चोरी करके सरकारें

बनाई जा रही हैं।

गांधी ने संवाददाताओं से कहा, हम गारंटी देते हैं कि हम आपको सबूत देंगे। कांग्रेस नेता ने भाजपा नेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा, भाजपा नेता जो उत्तेजित हो रहे हैं, उत्तेजित मत होइए। जब हाइड्रोजन बम आएगा, तो सब कुछ साफ हो जाएगा।

राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को यहां रायबरेली में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की अध्यक्षता की। अपने संसदीय क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे पर आए गांधी ने कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन सभागार में बैठक की अध्यक्षता की। अमेठी के सांसद के.एल. शर्मा और उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि इस बैठक में शामिल हुए।

बिहार में बनेगा चार और इंडस्ट्रियल कॉरिडोर

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की मांग पर केंद्रीय उद्योग मंत्री ने किया ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पटना के बापू सभागार में आयोजित बिहार आइडिया फेस्टिवल को संबोधित करते कहा- बिहार औद्योगिक विकास की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बिहार के विकास के लिए इंडस्ट्रियल कॉरिडोर दिया है। गया में 1700 एकड़ में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का निर्माण हो रहा है, बिहार सरकार ने इसके लिए 1300 एकड़ अतिरिक्त जमीन उपलब्ध कराई है। श्री चौधरी ने कहा-बिहार की 14 करोड़ आबादी की जरूरतें इतनी बड़ी हैं कि एक कॉरिडोर से हमारा काम नहीं चलेगा। हम माननीय केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से अनुरोध करते हैं कि हमें कम से कम चार और इंडस्ट्रियल कॉरिडोर दें। कार्यक्रम में मौजूद गोयल ने उपमुख्यमंत्री की मांग पर तुरंत संज्ञान लिया और घोषणा की- बिहार के अलग-अलग क्षेत्रों में चार औद्योगिक कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही श्री गोयल ने नई बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज-2025 की तारीफ की और इसे देश में सबसे सरल और उदार पैकेज बताया।

उपमुख्यमंत्री श्री चौधरी ने केंद्रीय मंत्री श्री गोयल को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह एतिहासिक समय है, जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में हम हजारों नहीं बल्कि लाखों लोगों को रोजगार देने वाले उद्योग लगाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्ग दर्शन और नीतीश कुमार के नेतृत्व में रफ्तार पकड़ चुका है बिहार।

उपमुख्यमंत्री ने कहा- बिहार में अब विश्वस्तरीय सड़कों का जाल बिछा है। पटना से राज्य के किसी भी कोने तक चार से पांच घंटे में पहुंचा जा सकता है। रेल विस्तार में भी बिहार आगे है, यहां 13 वंदे भारत ट्रेनें दौड़ रही हैं। गंगा किनारे दीघा से कोईलवर और मुंगेर से भागलपुर तक मैरिन ड्राइव बन रहा है। पांच बड़े एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं को मंजूरी मिली है। चौधरी ने कहा- राज्य में अब तक 17 इथेनॉल प्लांट लगाए जा चुके हैं। मक्का, गेहूं और अब चावल के खुद्दी (चावल का छोटे टुकड़े) तक को प्रोसेस कर इथेनॉल बनाने में इस्तेमाल किया जा रहा है। बिहार में पिछले पांच सालों में करीब 40 लाख लोगों को रोजगार दिए गए हैं। 2025-30 में हमारा लक्ष्य एक करोड़ सरकारी नौकरी और रोजगार देने का है।

चौधरी ने कहा- प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार को 1.65 लाख करोड़ की योजनाओं का तोहफा दिया है। 15 सितंबर को वो पूर्णिया में करीब 50 हजार करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन शिलान्यास करेंगे। दरभंगा एयरपोर्ट के बाद अब 15 सितंबर को पूर्णिया एयरपोर्ट की शुरूआत हो रही है। यह बिहार का सबसे बड़ा रनवे वाला हवाई अड्डा होगा।

सम्राट चौधरी ने कहा कि आज बिहार 9 हजार मेगावॉट बिजली का उत्पादन और खपत कर रहा है। हमने सड़क, बिजली, और नई औद्योगिक नीति 2025 से उद्योग के लिए माहौल तैयार किया है। आने वाले दो साल में यहां उद्योगपति बिना बुलाए आएंगे। उन्होंने कहा-बिहार बढ़ेगा, तभी देश बढ़ेगा। उद्योग बिहार की पहचान बने, यही हमारी कोशिश है। बिहार की समृद्धि से देश की समृद्धि होगी।

नवाजुद्दीन ने ब्लाइंड बाबू की शूटिंग की शुरू

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपनी अगली फिल्म 'ब्लाइंड बाबू' के लिए फिल्म निर्माता रवि वर्मा के साथ काम कर रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। बुधवार को निर्माताओं ने फिल्म के सेट से कुछ खास तस्वीरें शेयर की हैं। इस पोस्ट में पूरी टीम भी एक ग्रुप फोटो में दिखाई दे रही है। इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा है, 'अब बम फटेगा या कुछ और? उस अराजकता के लिए तैयार हो जाइए जो आपको रहस्य और डार्क कॉमेडी के साथ बांधे रखेगी... ब्लाइंड बाबू की यात्रा शुरू।'

लाइफ Style

दीपिका

बेटी दुआ का मनाया पहला जन्मदिन

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपनी बेटी दुआ का पहला जन्मदिन मनाया, जिसकी तस्वीर उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की है। एक्ट्रेस ने बेटी के लिए खुद अपने हाथों से केक तैयार किया। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह की बेटी दुआ मंगलवार को एक साल की हो गई।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

इसके एक दिन बाद, दीपिका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर बेटी के पहले जन्मदिन के जश्न की प्यारी तस्वीर शेयर की है। इसमें घर का बनाया हुआ चॉकलेट केक नजर आ रहा है। अभिनेत्री ने ये पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'मेरी प्रेम भाषा? अपनी बेटी के पहले जन्मदिन के लिए केक बना रही हूं।' इसके साथ ही उन्होंने गुब्बारे इमोजी में लगाए हैं। इस तस्वीर के सामने आते ही कमेंट सेक्शन में सितारों से लेकर फैंस तक की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने लाल दिल वाला इमोजी बनाया है। इसके साथ ही यूजर्स ने भी दीपिका की बेटी को बर्थडे विश किया। साथ ही लोगों ने केक को भी पसंद किया।

दीपिका पादुकोण के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह निर्देशक एटली की अगली फिल्म में वे नजर आएंगी। इस फिल्म में अल्लू अर्जुन लीड रोल में हैं। इस फिल्म का टाइटल तय नहीं है और अस्थाई तौर पर इसे 'एए22एक्सए6' कहा जा रहा है। मेकर्स ने एनाउंसमेंट वीडियो शेयर किया था, जिसमें दीपिका पादुकोण को तलवारबाजी करते देखा जा रहा था। इससे साफ हो गया है कि अभिनेत्री इस फिल्म में एक्शन अवतार में दिखेंगी।

हॉलीवुड मसाला

सौतेले बच्चों के संग मजबूत है रिश्ता

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड की फेमस सिंगर जेनिफर लोपेज एक बार फिर चर्चा में हैं। वो अपने पति से तलाक ले चुकी हैं, लेकिन बेन एफ्लेक के बेटे के साथ उनका रिश्ता अभी भी मजबूत है। वो दोनों शॉपिंग करते हुए नजर आए। उनकी फोटोज वायरल हो रही है। मालूम हो कि बेन ने जेनिफर गार्ड़नर से भी शादी की थी। जेनिफर लोपेज और बेन एफ्लेक को दो साल की शादी के बाद अलग हुए एक साल से ज्यादा समय हो गया है। अपने रिश्ते के खत्म होने के बावजूद सिंगर की अपने एक्स हसबैंड के बच्चों के साथ अच्छी बॉन्डिंग है।

मुझे लगा मैं कई साल से एक दायरे में बंधा रहा

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड एक्टर और डब्ल्यूडब्ल्यूई रेसलर ड्वेन जॉनसन को दुनिया 'द रॉक' के नाम से जानती है। अपनी पहाड़ जैसी कद-काठी और जबरदस्त बॉडी वाले ड्वेन ने बीते सबको चौंका दिया। अपकमिंग फिल्म 'द स्मैशिंग मशीन' के प्रीमियर पर एक्टर के नए दुबले-पतले लुक को देखकर हर कोई दंग रह गया। एक्टर ने अपने अब तक के करियर में निभाए गए किरदारों और 'चिकन मैन' के रूप में अपने ट्रांसफॉर्मेशन पर कहा, 'मुझे लगा कि कुछ साल तक मैं एक ही दायरे में बंधा रहा। मैंने इसे होने दिया। मैंने पहले जो फिल्में बनाई थीं, मुझे वे बहुत पसंद हैं। मैं उन्हें फिर से बनाऊंगा। लेकिन, मैं बहुत उत्साहित हूं कि मुझे फिर से वैसा ही रूप बदलने का मौका मिलेगा जैसा 'मैं स्मैशिंग मशीन' में कर पाया था, क्योंकि इसका मतलब है कि मुझे कम चिकन खाना होगा।'

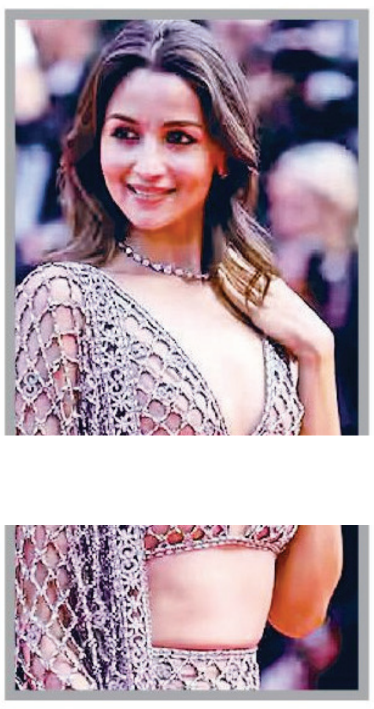

बेटी के लिए कॉमेडी फिल्म करने की ख्वाहिश

मुंबई। आलिया भट्ट की जिंदगी मां बनने के बाद काफी बदल गई है, इस बात का असर उनकी फिल्मों की च्वाइस पर भी पड़ने लगा है। हाल ही में आलिया भट्ट ने एक इंटरव्यू में कहा कि वह कॉमेडी फिल्म करना चाहती हैं। ऐसा वह अपनी बेटी के लिए करना चाहती हैं। आलिया ऐसी फिल्म करना चाहती है, जिसे बेटी राहा देख सके। आलिया एक कॉमेडी फिल्म करने की ख्वाहिश रखती हैं। वह कहती हैं, मैंने अब तक खुद कॉमेडी नहीं की है, इसलिए इस जॉनर की फिल्म करना चाहती हूं। मैं कुछ ऐसा तलाश कर रही हूं, जो मुझे इंस्पायर करे। आलिया भट्ट आगे कहती हैं, कुछ एक्साइटिंग चीजें मेरे पास आई हैं, अभी इनके बारे में बात नहीं कर सकती हूं। बस मैं सही डायरेक्शन में आगे बढ़ना चाहती हूं। आलिया भट्ट के करियर फ्रंट की बात की जाए तो वह इस साल ए 'अल्फा' कर रही हैं।

कॉमेडी के साथ दिखेगी किसानों की कहानी

मुंबई। अक्षय कुमार और अरशद वारसी की फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' का ट्रेलर बुधवार को रिलीज हो गया है। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब ट्रेलर सामने आने के बाद फैंस की फिल्म को लेकर उत्सुकता और भी बढ़ गई है। 3 मिनट 5 सेकंड के इस ट्रेलर में किसानों का दर्द दिखाया गया है। इस बार कहानी किसानों के इर्द-गिर्द घूमती है। जहां एक बड़ा आदमी है, जो किसानों की जमीन हड़प रहा है। दूसरी ओर छोटे किसान हैं, जो अपनी जमीन बचाने के लिए जॉली के पास पहुंचते हैं। पहले जहां किसान अक्षय कुमार के पास पहुंचते हैं, वहीं बाद में गेम पलट जाता है। ट्रेलर देखकर ऐसा मालूम पड़ता है कि जॉली 1 यानी अरशद वारसी जहां किसानों का केस लड़ रहे हैं और किसानों के वकील हैं। वहीं, अक्षय कुमार उस बड़े आदमी यानी गजराज राव के वकील हैं।

टीवी मसाला

टॉक शो टू मच 25 सितंबर को होगा शुरू

नई दिल्ली। अभिनेत्री काजोल और ट्विंकल खन्ना एक नया टॉक शो लेकर आ रही हैं। नाम है 'टू मच विद काजोल और ट्विंकल'। यह नया टॉक शो आगामी 25 सितंबर से अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने वाला है। शो की स्ट्रीमिंग डेट के बारे में जानकारी देते हुए मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की। काजोल और ट्विंकल के इस टॉक शो को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं। इस शो में सेलेब्स गेस्ट होंगे, जिनसे ये दोनों अभिनेत्रियां बात करेंगी और सवाल करेंगी। हालांकि, अभी तक गेस्ट्स को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन बीच में ऐसी चर्चाएं चली थीं कि ट्विंकल-काजोल के शो के पहले गेस्ट सलमान खान और आमिर खान हो सकते हैं। हालांकि, ये अभी तक कंफर्म नहीं है। इसके अलावा शो में करण जौहर, जान्हवी कपूर, अक्षय कुमार और अजय देवगन के भी शामिल होने की चर्चाएं हैं। हालांकि, अभी तक किसी भी नाम की कंफर्मेशन सामने नहीं आई है। इस टॉक शो से इतर वर्कफ्रंट की बात करें तो काजोल हाल ही में ओटीटी पर आई फिल्म सरजमीं में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ इब्राहिम अली खान और पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिका में नजर आए थे। इसके अलावा वो 'मां' फिल्म में भी नजर आई थीं। ये एक हॉरर फिल्म थी। वहीं ट्विंकल खन्ना फिल्मों से दूर है। वो एक लेखक के तौर पर काम करती हैं।

20-20 कॉल करके मुझे फिल्मों से निकाला

नई दिल्ली। बीते दिनों कुनिका सदानंद ने तान्या मित्तल की परवरिश पर टिप्पणी की थी। बिग बॉस 19 के नवीनतम एपिसोड में सिंगर अमाल मलिक ने कुनिका वाले विवाद पर अपने साथी घरवालों के साथ बैठकर बात की। साथ ही बताया कि कैसे उनकी ईमानदारी और स्पष्ट स्वभाव ने अक्सर इंडस्ट्री में उनके खिलाफ काम किया। उन्होंने खुलासा किया कि कई बार ताकतवर लोगों ने उन्हें बॉलीवुड से बाहर करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने हमेशा अपने संगीत के जरिए मजबूती से वापसी की। अमाल मलिक ने अपने साथी कंटेस्टेंट से कहा, 'देखो भाई, पहली बार मुझे इस शो में आके बुरा लग रहा है, क्योंकि मुझे एक खास तरीका बताया गया है। बड़े आए बड़े गए। बहुत बोला, कहां है कि खतम कर देंगे तुम्हें, देखते हैं कहां तक चलोगे इस इंडस्ट्री में। 20-20 कॉल करके बड़े-बड़े एक्टर्स प्रोड्यूसर्स ने फिल्मों से निकाला है, फिर भी यहीं खड़ा हूं और कल फिर हिट दूंगा। फिर आएंगे भाई गाना दे दो।'

रेखा की मां ने पाकिस्तानी क्रिकेटर संग बुने थे बेटी की शादी के ख्वाब

नई दिल्ली। रेखा बचपन से ही फिल्मों में एक्टिव रही हैं। उन्होंने तेलुगु फिल्म इंटी गुट्टु और रंगूला रत्नम में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। हिंदी सिनेमा में आने से पहले बतौर युवा अभिनेत्री उन्होंने साल 1969 में 'ऑपरेशन जैकपॉट' की थी, जो कन्नड़ भाषा में बनी फिल्म थी। हिंदी सिनेमा में एवरग्रीन स्टार रेखा को पहला ब्रेक फिल्म सावन भादो से मिला था, जिसमें उन्होंने चंदा का किरदार अदा किया था। जैसे-जैसे वह अपने कॅरियर में आगे बढ़ती गईं, उनकी फिल्मों के साथ-साथ उनकी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा होती गई। विनोद मेहरा से लेकर अमिताभ बच्चन और अक्षय कुमार जैसे कई सितारों के साथ रेखा का नाम जुड़ा। हालांकि, आपको ये जानकर हैरानी होगी की रेखा की मां पुष्पावल्ली मुकेश या अमिताभ बच्चन को नहीं, बल्कि एक पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर को अपना दामाद बनाना चाहती है। ऐसा हम नहीं, बल्कि 40 साल पुराना पोस्ट बता रहा है।

इमरान खान संग मिलाई थी कुंडली?

1980 में रेखा बॉलीवुड के शिखर पर बैठी थीं और उनके रोमांस के चर्चे हर किसी की जुबान पर थे।1985 में स्टार रिपोर्ट ने एक खबर छापी थी, जिसमें रेखा और पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर और राजनेता इमरान खान के बीच रिश्ते का जिक्र किया गया था। जर्नल ने अपने स्टेटमेंट में ये भी दावा किया था कि रेखा की मां पुष्पावली को लगता था कि उनकी बेटी के लिए इमरान खान से अच्छा मैच कोई नहीं हो सकता। ऐसा बताया गया कि एक्ट्रेस की मां दिल्ली आईं और उन्होंने नजूमी (ज्योतिष) से मुलाकात की। रेखा की मां ये जानना चाहती थीं कि इमरान उनकी बेटी के लिए आइडियल मैच हैं या नहीं। नजूमी ने उनसे क्या कहा ये तो किसी को नहीं पता, लेकिन एक्ट्रेस की मां को ये क्लियर हो गया कि वह भविष्य में उनके परिवार का हिस्सा जरूर बनेंगे।

1980 में हुई थीं स्पॉट?

इस रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि दोनों के बीच दोस्ती से आगे का रिश्ता था। उस समय पर जिन्होंने रेखा और इमरान को साथ में कभी बीच पर और कभी शूटिंग के सेट पर एक-दूसरे की कम्पनी एन्जॉय करते हुए देखा, जिससे उन्होंने इस बात को मान लिया की वह एक-दूसरे के प्यार में डूबे हुए हैं। उस रिपोर्ट में ये दावा किया गया था कि 1980 के दौर में कई बार रेखा को इमरान खान के साथ घूमते हुए देखा गया है, जिसने उनकी बॉन्डिंग के बीच आग में घी का काम किया और दोनों की शादी की खबरें तेज हो गईं। हालांकि, रेखा या पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर ने कभी भी उड़ रही अफवाहों पर किसी भी तरह की कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

सोनू निगम ने शेयर की बिजुरिया गाने की 26 साल पुरानी तस्वीरें

मुंबई। वरुण धवन और जान्हवी कपूर अभिनीत 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी', जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। बीते कुछ दिन पहले फिल्म का 'बिजुरिया' गाना रिलीज हुआ, जो काफी ट्रेंड कर रहा है। यह गाना साल 1999 में सोनू निगम द्वारा पहली बार गाया गया था, अब इसका रीक्रिएशन किया गया है। गायक ने सोशल मीडिया पर पर अपने ओरिजनल सॉन्ग की शूटिंग के दौरान के कुछ खूबसूरत पलों को साझा किया है। जिसमें वह संगीतकार रवि पवार और अन्य लोगों के साथ नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों में सभी काफी मौज-मस्ती के साथ गाना रिकॉर्ड कर रहे हैं। अगर सोनू निगम की बात करें, तो वो काफी मासूम लग रहे हैं। पुरानी यादों को ताजा करते हुए गायक ने कैप्शन में लिखा, '26 साल पहले बिजुरिया बनाते समय हमें नहीं पता था कि यह गाना समय की कसौटी पर खरा उतरेगा और कैसे? चिल्लाना, सीटियां बजाना, ऐसी बातें कहना जिनकी पिछली कहानियां केवल हम जानते थे। हंसना, नकल करना, सीखना और सबसे बढ़कर लंबे समय तक चलने वाला संगीत बनाना और क्या-क्या। मेरे प्यारे

रवि भाई, तरुण भाई और स्वर्गीय अजय भाई, हमने यह सब इतनी सकारात्मकता और मासूमियत के साथ किया। इतनी खूबसूरत यात्रा के लिए भगवान का शुक्रिया। एक बार फिर बिजुरिया का आनंद लें।'

रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा का मिलेगा जबरदस्त एंटरटेनमेंट

इस हफ्ता ओटीटी पर रिलीज हो रही हैं ये सीरीज और फिल्में

नई दिल्ली। ओटीटी प्रेमियों के लिए सितंबर का यह हफ्ता जबरदस्त एंटरटेनमेंट लेकर आया है। टॉप साउथ और बॉलीवुड फिल्मों के साथ-साथ कई वेब सीरीज और रोमांटिक-कॉमेडी शो भी इस हफ्ते ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज हो रही हैं।

सैयारा : अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म सैयारा थिएटर्स में धूम मचाने के बाद अब 12 सितंबर को स्ट्रीम होगी। इस फिल्म की कहानी वाणी (अनीत) और कृष (अहान) के इर्द-गिर्द घूमती है। इस फिल्म ने इंडियन बॉक्स ऑफिस से 329 करोड़ और वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस से 570 करोड़ का कलेक्शन किया था।

कुली : सुपरस्टार रजनीकांत की मोस्ट अवेटेड फिल्म कुली 400 करोड़ के बजट में बनी और फिर सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म ने 25 दिन में 284 करोड़ का नेट बिजनेस किया। वहीं अब यह फिल्म 11 सितंबर से प्राइम वीडियो पर तमिल, तेलुगू, मलयालम, कन्नड़ (फिलहाल हिंदी नहीं) में स्ट्रीम होगी।

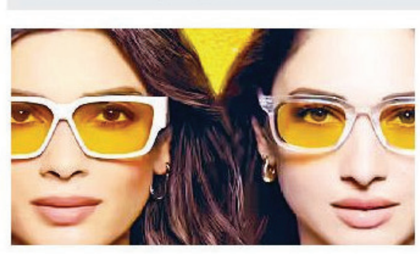

डू यू वाना पार्टनर : तमन्ना भाटिया, डायना पेंटी और जावेद जाफरी की यह कॉमेडी-ड्रामा सीरीज 12 सितंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

द गर्लफ्रेंड : साइकोलॉजिकल थ्रिलर वेब सीरीज द गर्लफ्रेंड मिशेल फांसेस के उपन्यास पर आधारित है। छह एपिसोड्स वाली ये सीरीज 10 सितंबर से प्राइम वीडियो पर देखी जा रही है।

द डेड गर्ल्स : अल्फोंसो हेरेरा, पॉलिना गैटन और जोआक्विन कोसियो स्टारर यह क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 10 सितंबर से उपलब्ध होगी।

द रॉन्ग पेरिस : मिरांडा कॉसग्रोव और पियर्सन फोडे की रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 12 सितंबर से नेटफिलक्स पर स्ट्रीम होगी।

रैम्बो इन लव : तेलुगू रोमांटिक कॉमेडी सीरीज 'रैम्बो इन लव' एक बदकिस्मत लेकिन, नेकदिल लड़के और उसकी एक्स गर्लफ्रेंड पर आधारित है। ये 12 सितंबर के दिन जियोहॉटस्टार पर दस्तक देगी।

टास्क : 'मेयर ऑफ ईस्टटाउन' के मेकर्स की नई क्राइम-ड्रामा वेब सीरीज एचबीओ और मैक्स पर रिलीज हो गई है।

ब्यूटी इन ब्लैक सीजन 2 : ग्लैमर और फैमिली पावर स्ट्रगल पर आधारित इस सफल सीरीज का नया सीजन 11 सितंबर से स्ट्रीम होगा।

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के लमकीखाडी क्षेत्र में जारी है अवैध कब्जे का सिलसिला

0 शिकायत के बाद भी कार्रवाई के नाम पर विभाग खामोश 0 क्षेत्र के चिंतित ग्रामीणों ने खुद हटाई अतिक्रमणकारियों की झोपड़ी, थाने पहुंचा मामला

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के ।चांदनी बिहरपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत खोहीर के आश्रित ग्राम बैजनपाठ पश्चिम पारा लमकीखाडी में गुरु घासीदास

राष्ट्रीय उद्यान जो रेहंड पार्क परिक्षेत्र है की भूमि पर अवैध अतिक्रमण का मामला लगातार गहराता जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार टाइगर रिजर्व घोषित क्षेत्र होने के बावजूद जंगल की कटाई और भूमि कब्जा करने की कोशिशें तेज हो गई हैं।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि कुछ लोग जंगल की झाड़ियां और छोटे पेड़ काटकर भूमि समतल कर झोपड़ी डालकर बसने की कोशिश कर रहे हैं। ग्रामीणों ने जब विरोध किया तो अतिक्रमणकारियों द्वारा बनाई गई झोपड़ी को खुद ही हटाया गया। इसको लेकर विवाद इतना बढ़ा कि मामला थाने तक पहुंच गया। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग और बीट गार्ड की मिलीभगत के बिना यह संभव नहीं है। कई बार शिकायत के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। ग्रामीण मुना पन्डो, अमर सायं, लालू पन्डो, अनिल, फूलसाय, लालसाय, बिहारी, धर्मपाल, हरि सिंह, जगनारायण सिंह, सुखराम सिंह, बहादुर सिंह और अमर सिंह बताते है कि उक्त सम्बन्ध में उनके द्वारा कई बार गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है। हर बार आश्वासन मिला परंतु कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। विभाग की चुप्पी से ही अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हैं। जंगल से आजीविका का साधन जुटाने वाले अनिल कुमार पंडो ने कहते है कि हमारा जीवन जंगल से जुड़ा है। यहां से महुआ, लकड़ी और जंगली उत्पाद मिलता है। यदि जंगल को उजाड़ा गया तो हमारी आजीविका छिन जाएगी। धर्मपाल पैंकरा ने कहा कि वन विभाग की लापरवाही से जंगल मे अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है। यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो जंगल का अस्तित्व नष्ट हो जाएगा।

पिछले वर्ष इस तरह की कोशिशें की गई थी नाकाम

इस मामले पर गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान रिहंद नेशनल पार्क के रेंजर ललित सायं पैकरा ने कहा की आपके माध्यम से जानकारी मिल रही है। मामले की जांच की जाएगी और यदि यह गतिविधि मेरे क्षेत्र में पाई जाती है तो इस पर तत्काल कड़ाई से रोक लगाई जाएगी। पिछले वर्ष भी इस तरह के प्रयास हुए थे जिन्हें उनके द्वारा कार्रवाई कर रुकवाया गया था।

नहीं हुई कार्रवाई तो करेंगे आंदोलन

विभाग से अवैध कब्जे व कार्रवाई के लिए अनुनय विनम कर तक चुके ग्रामीणों ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि लमकीखाडी क्षेत्र की वन भूमि पर अवैध कब्जे को तुरंत नहीं रोका गया, तो वे बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। जंगल की कटाई व कब्जा पर ग्रामीण तो चिंतित है पर क्या प्रशासन और वन विभाग इस गंभीर मामले में कठोर कदम उठाकर राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित कर पाएंगे, या फिर यह विवाद थाने से अदालत तक पहुंचकर लंबा खिंच जाएगा?

पीएम सूर्यघर योजना से राजेश के घर का बिजली बिल हुआ शून्य

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना ने आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया है। इस योजना के तहत केंद्र सरकार द्वारा 78 हजार तक की सब्सिडी और राज्य सरकार की ओर से 30 हजार तक का अतिरिक्त अनुदान प्रदान किया जा रहा है। इससे सोलर पैनल लगाने की लागत काफी कम हो गई है और उपभोक्ताओं को बिजली बिल में भी राहत मिल रही है। जिले के पम्पापुर निवासी राजेश गुप्ता ने इस योजना का लाभ उठाते हुए अपने घर की छत पर 03 किलोवाट क्षमता वाला सोलर संयंत्र स्थापित किया। उन्होंने बताया कि सोलर सिस्टम लगवाने के एक सप्ताह के भीतर ही सब्सिडी की राशि सीधे उनके बैंक खाते में आ गई। पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल 1200 से 1500 तक आता था, लेकिन अब पिछले तीन महीनों से उनका बिल पूरी तरह शून्य है। राजेश ने बताया कि सौर ऊर्जा से उनके घर की सभी बिजली जरूरतें पूरी हो रही हैं, और अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजने से उन्हें अतिरिक्त लाभ भी मिल रहा है।

उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना को एक आर्थिक और पर्यावरणीय वरदान बताया, जो न केवल बचत दिला रही है बल्कि स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा भी दे रही है। उन्होंने जिले के अन्य नागरिकों से भी इस योजना का लाभ उठाने की अपील की, यह कहते हुए कि यह पहल लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता भी प्रदान करती है।

स्पेशलाइट थेरेपी सेंटर में हर दिन हर घर आयुर्वेद'' के अंतर्गत किया गया जागरूकता कार्यक्रम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां के स्पेशलाइट थेरेपी सेंटर में हर दिन हर घर आयुर्वेद'' के अंतर्गत आयुष स्वास्थ्य एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें आत्मानंद स्कूल सूरजपुर में छत्तीसगढ़ राज्य महोत्सव के बारे में बताते हुए आयुर्वेद परिचय दिया गया। जिसमें आयुर्वेद योग प्राणायाम के दैनिक जीवन में उपयोगिता रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली औषधि जैसे अदरक तुलसी काली मिर्च अमला हाटजोड़ अश्वगंधा शतावरी आदि औषधीय पौधों के बारे में बताया गया साथ ही दिनचर्या रात्रि चार्य रितु चर्या आहार विहार के बारे में बच्चों को बताया गया साथ ही आयुर्वेद के प्रचार प्रसार के लिए आत्मानंद स्कूल सूरजपुर से स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर सूरजपुर तक रैली का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉक्टर कुलदीप द्विवेदी डॉक्टर अनीता डॉक्टर लेना प्रिया आत्मानंद स्कूल के हेड मास्टर श्रीमती प्रीति अनु दुबे एवं बड़ी संख्या में विद्यालय के शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

सोसायटी से राशन व नगदी चोरी के दो आरोपी धराये, बसदेई पुलिस की कार्रवाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सोसायटी से राशन व नगदी रकम चोरी करने वाले 2 आरोपियों को बसदेई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बताया गया है कि गुरुवार को शिवप्रसादनगर के मणिप्रताप साहू ने चौकी बसदेई में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 09 सितम्बर की रात्रि में शिवप्रसादनगर स्थित सोसायटी में लगे ताला को तोड़कर अंदर रखे 2 बोरी चावल, खाली बोरा एवं बोर का 80 मीटर तार व नगदी रकम 1050 रूपये को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर धारा 305(डी), 331(4), 35 बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की विवेचना के दौरान चौकी बसदेई पुलिस ने मुखबीर से प्राप्त सूचना पर संदेही राजेन्द्र प्रसाद व परमेश्वर सिंह दोनों निवासी ग्राम शिवप्रसादनगर, चौकी बसदेई को दबिश देकर पकड़ा। पूछताछ पर दोनों ने सोसायटी में चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया जिनके निशानदेही पर 2 बोरी चावल, 80 नग बोरा, 80 मीटर तार व 1 हजार रूपये नगदी रकम बरामद कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी बसदेई योगेंद्र जायसवाल, प्रधान आरक्षक शिवकुमार सारथी, आरक्षक देवदत्त दुबे, रामकुमार सिंह, दिलीप साहू, निलेश जायसवाल, राकेश सिंह, शिवराज सिंह व अशोक केवट सक्रिय रहे।

10 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान का किया गया आयोजित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा भारत सरकार की योजना संकल्प

अंतर्गत महिला केंद्रित विषयों पर 10 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान कलेक्टर के निर्देशन व जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल के मार्गदर्शन में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केवरा प्रतापपुर में किया गया। महिला सशक्तिकरण मिशन शक्ति के अंतर्गत जिला मिशन समन्वयक श्रीमती शारदा सिंह, जेंडर विशेषज्ञ सलोमी कुजूर एवं पूनम राजवाड़े द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अंतर्गत बालिका भ्रूण हत्या, बाल विवाह, घरेलु हिंसा, सखी वन स्टाप सेंटर, टोल फ्री न0 181, 1098 एवं किशोरी बालिकाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी प्रदान की। साथ ही पोषण माह अंतर्गत किशोर बालिकाओ का सभी प्रकार के पोषण से भरपूर खाद्य पदार्थो की जानकारी दी गई एवं बालिकाओ के स्वास्थ्य एवं शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए छात्राओ को पढाई में आगे बढ़ने हेतु प्रोत्साहित किया गया एवं व्यक्तिगत सुरक्षा, नशे से दूरी, बढ़ते हुए साइबर क्राइम के बारे में भी बालिकाओ को अवगत कराया गया एवं सतर्क रहने की समझाइस दी गई। यूनिसेफ जिला समन्वयक हितेश निर्मलकर द्वारा व्यक्तिगत सुरक्षा और नशे से दूरी की जानकारी दी गई। बाल संरक्षण अधिनियम 2015 एवं लैंगिक अपराध इत्यादि के विषय में अन्य जानकारी दी गई।

प्रा.शा. उरान्वपारा मे हुआ बाल केबिनेट का गठन, रानू बनी बाल सांसद की पीएम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। विकासखंड रामानुजनगर के शा. प्रा. शा. उरान्वपारा मदनेश्वरपुर मे विद्यायीन क्रियाकलापों के बेहतर संचालन और नेतृत्व

प्र.पा. ने दिलाया मंत्री पद का शपथ

क्षमता मे विकास हेतु बाल केबिनेट का गठन मतदान प्रक्रिया द्वारा किया गया 7 विद्यार्थियों मे इस लोकतान्त्रिक प्रक्रिया के प्रती खासा उत्साह देखा गया। प्रधानमंत्री के चार उम्मीदवार रानू रजवाड़े, तपेश्वरी रजवाड़े, विवेक रजवाड़े, और सुखसिंह ने नामांकन दाखिल किया, ये सभी कक्षा 5 वीं के छात्र थे।आज कुल 65 विद्यार्थी उपस्थित रहे जिसमे से 61 विद्यार्थियों ने अपने मत का प्रयोग किया। रानू को 18 मत, तपेश्वरी को 11 मत, विवेक को 14 मत, सुखसिंह को 16 मत प्राप्त हुवे और 2 मत किसी को नहीं मिला। इस प्रकार बाल सांसद के रूप मे रानू रजवाड़े को प्रधानमंत्री के रूप मे चुना

गया, जबकि सुखसिंह को वित्तमंत्री, सुहानी रजवाड़े को शिक्षामंत्री, तपेश्वरी रजवाड़े को पर्यावरण मंत्री और विवेक रजवाड़े को खेलमंत्री के रूप मे चुना गया। नवनिर्वाचित बाल मंत्रियों को उनके दायित्वों और कर्त्तव्यों की शपथ संस्था के प्रधान पाठक संजय कुमार साहू द्वारा दिलाई गयी। उन्होंने बताया कि किस तरह वे विद्यालय के गतिविधियों मे अपनी सहभागिता निभाते हुवे अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकते हैं और नेतृत्व की भूमिका निभाते हुवे अपने व्यतीत्व का विकास कर सकते हैं।स्वक्षता, पर्यावरण संरक्षण, अनुशासन और सामाजिक सहभागिता जैसे विषयों मे किस प्रकार वे प्रेरक की भूमिका निभा सकते हैं। विद्यालय परिसर मे स्वच्छक्षता और हरियाली बनाये रखना, पौधरोपण और उनके संरक्षण हेतु अभियान चलाना, जन जागरूकता, जल संरक्षण, आपशिष्ट प्रबंधन, एक पेड़ माँ के नाम, किचन गार्डन जैसी अन्य गतिविधियों का संचालन करना है। विद्यालय परिवार ने बाल मंत्रिमंडल को शुभकामनाएं दी और उनके हर कार्य मे प्रेरक और सहयोग का आश्वाशन दिया। यह कार्यक्रम बच्चों मे लोकतंत्र, उत्तरदायित्व और नेतृत्व के गुणों मे विकास के दिशा मे एक प्रेरक पहल साबित होगा। उक्त कार्यक्रम का व्यवस्था शिक्षिका एनिमा बेक के द्वारा की गयी और पुरे कार्यक्रम मे प्रधान पाठक संजय कुमार साहू और संस्था के शिक्षक रामकृपाल साहू, शोभारानी किसपोट्टा और एनिमा बेक सही पुरे छात्र छात्राएँ उपस्थित रहीं।

आदि कर्मयोगी अभियान के तहत हुआ खंड स्तरीय प्रशिक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना धरती आबा के तहत जिले के विभिन्न विकासखंडों में आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

मंगल भवन प्रतापपुर में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में विकासखंड के 110 गांवों के आदि साथी एवं आदि सहयोगियों को मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रशिक्षित किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत प्रतापपुर श्री जय गोविंद गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण में 101 पंचायतों के सरपंच, पंच, सचिव, रोजगार सहायक एवं शासकीय कर्मचारी उपस्थित रहे। मास्टर ट्रेनरों ने प्रतिभागियों को ग्राम विकास की योजनाओं के निर्माण एवं दायित्वों के निर्वहन के संबंध में मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में रंजय सिंह मंडल संयोजक, चंद्रिका आयाम, विमलेश सिंह, सीमा साहू और हाफिज अंसारी बतौर मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे। जनपद पंचायत ओड़गी में आदि कर्मयोगी अभियान रिस्पांस

गवर्नेंस प्रोग्राम ब्लॉक प्रोसेस लैब का शुभारंभ सीईओ जनपद पंचायत ओड़गी श्री निलेश कुमार सोनी ने किया। इस अवसर पर 22 ग्राम पंचायतों से लगभग 310 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। मास्टर ट्रेनरों ने धरती आबा योजना एवं अभियान के उद्देश्यों से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन मास्टर ट्रेनर एवं मंडल संयोजक मनोहर गुप्ता, अंगद कुमार यादव, विजय कुमार कंवर, अवनीश कुमार, देवनाथ कुमार एवं सीमा सोनपाकर सहित शाखा प्रभारी नजीर खान ने किया। जनपद पंचायत सूरजपुर में आयोजित ब्लॉक प्रोसेस लैब का शुभारंभ सीईओ हरनारायण खोटेल ने किया। कार्यक्रम में 34 गांवों से लगभग 300 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों का परिचय सत्र लेने के बाद मास्टर ट्रेनरों ने धरती आभा एवं अभियान की जानकारी दी। प्रशिक्षण को अधिक रोचक बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियां जैसे स्वागत ताली, धन्यवाद ताली और शाबाशी ताली कराई गईं। इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर दिनेश कुमार सिंह, लक्ष्मण पासवान, नर्मदा सिंह, धनेश्वर पैकरा, अमित राय, छाया सिंह एवं उमेश वस्त्रकर ने प्रशिक्षण सत्र का संचालन किया।।जनपद पंचायत भैयाथान में आयोजित ब्लॉक प्रोसेस लैब का शुभारंभ सीईओ विनय कुमार गुप्ता ने किया। प्रशिक्षण में 25 ग्राम पंचायतों से लगभग 209 प्रतिभागी उपस्थित रहे। मास्टर ट्रेनरों ने अभियान की विस्तृत जानकारी दी और प्रतिभागियों को समूहगत गतिविधियों में शामिल किया। इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर अजय राजवाड़े, रामशरण मिश्रा, ज्ञानेश मिश्रा, कृष्ण प्रसाद रवि, बी. सीरतवली सहित करारोपण अधिकारी हनुमान प्रसाद दुबे एवं शाखा प्रभारी उजित सिंह उपस्थित रहे। इसके अलावा प्रेमनगर में भी आदि कर्मयोगी अभियान रिस्पांस गवर्नेंस प्रोग्राम ब्लॉक प्रोसेस लैब का शुभारंभ किया गया।

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय पॉलीटेक्निक, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)
फोन/फैक्स 07774-220609
E-mail principalgpas@gmail-com

क्र० / 1411- । / स्था. / शा.पॉ.अ. / 2025 अम्बिकापुर, दिनांक 10 / 09 / 2025

अंशकालीन व्याख्याता हेतु आयोजित साक्षात्कार निरस्तीकरण सूचना

संस्था के पत्र क्रमांक 1353 / स्था. / शा.पॉ.अ. / 2025 / अम्बिकापुर दिनांक 28 / 08 / 2025 के माध्यम से शासकीय पॉलीटेक्निक अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा / नवीन शासकीय पॉलीटेक्निक चिरमिरी, जिला-एम.सी.बी. / नवीन शासकीय पॉलीटेक्निक बगीचा, जिला-जशपुर छत्तीसगढ़ हेतु दिनांक 04 / 09 / 2025 को सिविल इंजी. एवं माईनिंग इंजी. के अंशकालीन व्याख्याताओं हेतु आयोजित साक्षात्कार तकनीकी कारणों से निरस्त किया जाता है।

प्राचार्य/नोडल अधिकारी
शासकीय पॉलीटेक्निक
अम्बिकापुर/चिरमिरी/बगीचा
(छ.ग.)

जी-252603426/1

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक व नफरती पोस्ट से अग्रवाल समाज में आक्रोश

0 उग्र आंदोलन की चेतावनी 0 कोतवाली में कथित युवक के खिलाफ दर्ज कराई गई शिकायत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। विगत दिनों सोशल मीडिया पर कुनकुरी के एक युवक के द्वारा अग्रवाल समाज को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी से नगर का अग्रवाल समाज आक्रोशित है। इस मामले को लेकर अग्रवाल समाज सूरजपुर के अध्यक्ष अमृतलाल अग्रवाल, सचिव राजेश महलवाला व संभागीय महासभा के महामंत्री सुनील अग्रवाल तथा नपा उपाध्यक्ष शैलेष गोयल की अगुवाई में बड़ी संख्या में सामाजिक अग्र बंधुओं ने सीएसपी व थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंप युवक पर बीएनएस की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि कुनकुरी के युवक विनय सिंह जो कि अपने आपको कथित कांग्रेस नेता बताते हुए सोशल मीडिया फेसबुक पर अपनी प्रोफाईल में बेहत आपत्तिजनक और घृणा फैलाने वाली पोस्ट साझा की है। अग्रवाल समाज को लेकर सामाजिक व व्यापक रूप से अशांति फैलाने के दृष्टिकोण से जारी पोस्ट से समाज में भ्रामक व द्वेषपूर्ण बातों के साथ अन्य जातियों के साथ वैमनष्य पैदा करने सहित अपमानजनक बातें लिखी गई है। सार्वजनिक शांति भंग करने तथा भड़काउ बयान से

सामाजिक सद्भाव भी बिगड़ रहा है। जिससे कुनकुरी सहित पूरे सरगुजा संभाग के अग्रवाल समाज ने हो रही बदनामी और अन्य समाजों में फैल रहे द्वेष व नफरत के मामले को लेकर इसे गंभीरता से लिया है। उक्त कृत्य को लेकर समाज के लोगों ने सीएसपी एसएस पैकरा, तहसीलदार सूर्यकांत साय व थाना प्रभारी विमलेश दुबे को प्रतिनिधि मण्डल ने ज्ञापन सौंपते हुए कार्रवाई की मांग की है। वहीं दूसरी ओर अग्रवाल सभा, अग्रसेन समिति, अग्रवाल नवयुवक समिति, मारवाड़ी युवा मंच, अग्रवाल युवा सम्मेलन के पदाधिकारियों ने संबंधित युवक के पोस्ट की निंदा करते हुए इसे संकीर्ण मानसिकता करार देते हुए तथा अमर्यादित तथा आपत्तिजनक पोस्ट जो कि सामाजिक घृणा फैलाने का कार्य कर रही है, उस पर त्वरित कार्रवाई किए जाने की अपील की है।

इस दौरान संजय केजरीवाल, प्रवेश गोयल, मुकेश गर्ग, विरेन्द्र बंसल, उमेश अग्रवाल, प्रमोद जैन, विकास जैन, सुमित मित्तल, गौरिश जिंदल, संस्कार अग्रवाल, संजय जैन, बजरंग गर्ग, विकास अग्रवाल, सतीश जैन, जय भगवान अग्रवाल, नरेश मित्तल, राजेश मित्तल, आकाश अग्रवाल, सोनू जैन, सूरज अग्रवाल, अजय मित्तल, अजय अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, हर्ष पालिवाल, भीमसेन मित्तल, आशीष कुमार, नवीन अग्रवाल, सुनील जैन, मनोज अग्रवाल, रितेश अग्रवाल, गौरव महलवाला, अवधेश गोयल सहित बड़ी संख्या में अग्रवाल समाज के पदाधिकारी व युवा उपस्थित थे।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 9713108088
8719000259

कोरिया फ्रंटलाइन

छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा एमएसएमई समिट 2025 का आयोजन

उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर, रविवार को होगा मेगा वर्कशॉप उद्योग मंत्री व स्वास्थ्य मंत्री होंगे शामिल

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को नई दिशा देने और स्थानीय उद्यमियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (एमसीबी इकाई) के तत्वावधान में कल रविवार, 14 सितम्बर 2025 को विमलश्री टाकीज में शाम 4 बजे से एमएसएमई समिट 2025 का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन जिले और आसपास के क्षेत्रों के उद्योग-व्यापार जगत के लिए एक बड़ा अवसर साबित होगा। उक्त जानकारी देते हुए छत्तीसगढ़ चेम्बर आफ कामर्स के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज जैन ने बताया कि समिट का पहला सत्र पूरी तरह उद्योग नीति पर केंद्रित रहेगा। इसमें विशेषज्ञ जिले में नए उद्योगों की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। छत्तीसगढ़ सरकार की नई औद्योगिक नीति में दी गई सब्सिडी, कर छूट और अन्य प्रोत्साहन योजनाओं को विस्तार से बताया जाएगा। उद्यमियों को यह जानकारी मिलेगी कि किस प्रकार वे इन सुविधाओं का लाभ

उठाकर अपने कारोबार को नई ऊँचाई तक पहुँचा सकते हैं।

बैंकिंग सेशन-वित्तीय योजनाओं पर फोकस

चेम्बर के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज जैन ने बताया कि दूसरे सत्र में बैंकिंग सेशन रखा गया है। इसमें प्रमुख बैंकों के अधिकारी मौजूद रहेंगे, जो बैंक लोन, नई फाइनेंस योजनाओं, एमएसएमई सपोर्ट स्कीम और फंडिंग विकल्पों पर प्रकाश डालेंगे। यह सत्र खासकर उन उद्यमियों के लिए उपयोगी होगा, जो पूंजी की कमी के कारण उद्योग शुरू करने या विस्तार करने में असमर्थ रहे हैं।

एमएसएमई टॉक-औद्योगिक संभावनाओं पर मंथन

पंकज जैन ने बताया कि तीसरे सत्र में एमएसएमई टॉक आयोजित होगी। इसमें उद्यमियों और विशेषज्ञों के बीच सीधा संवाद होगा। चर्चा का मुख्य विषय होगा ङ्क जिले में उद्योगों की नई संभावनाएँ और सरकारी योजनाओं का व्यावहारिक लाभ। यह मंच उद्योग जगत की चुनौतियों और समाधान पर खुला मंथन प्रदान करेगा।

सीमित सीटें, असीमित अवसर

चेम्बर के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज जैन ने बताया कि समिट में प्रतिभागियों की संख्या सीमित रखी गई है। अतः इच्छुक उद्यमियों को समय रहते पंजीयन करने की अपील की गई है। यह समिट उद्यमियों के लिए एक सुनहरा अवसर है, जिसे किसी भी हाल में नहीं चूकना चाहिए।

यह समिट क्यों जरूरी है?

पंकज जैन ने बताया कि मनेंद्रगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में छोटे-बड़े उद्योगों की अपार संभावनाएँ मौजूद हैं, लेकिन जानकारी और पूंजी की कमी के कारण कई उद्यमी अपने सपनों को पूरा नहीं कर पाते। सरकार की नई औद्योगिक नीति और बैंकों की वित्तीय योजनाएँ तभी प्रभावी होंगी जब उद्यमियों तक उनकी सही जानकारी पहुँचे। एमएसएमई समिट 2025 इसी उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है, ताकि जिले का उद्योग जगत जागरूक हो और आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा सके।

कार्यक्रम में शामिल होंगे ये हस्तियां

चेम्बर के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज जैन ने बताया कि इस समिट में उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन मुख्य अतिथि होंगे। स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। इसके अलावा भाजपा जिलाध्यक्ष चम्पादेवी पावले, उद्योग संचालनालय के संयुक्त संचालक शिवकुमार राठौर, एसईसीएल हसदेव एरिया के सीजीएम उमेश शर्मा, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय प्रमुख रणधीर सिंह, पंजाब नेशनल बैंक के सर्किल हेड जगदीश राय और बीपीसीएल के क्षेत्रीय प्रबंधक विनय कुमार उपस्थित रहेंगे।

जनपद पंचायत सीईओ के मार्गदर्शन में आदि कर्म योगी अभियान का पुसला में आयोजन किया गया

छ.ग.फ्रंटलाइन

सोनहत। विकास खंड स्तरीय आदि कर्म योगी अभियान का पुसला में जनपद सीईओ विमला एवं एडीओ अजय नेटी के मार्गदर्शन में आठ आठ ग्राम को चिन्हित कर पांच पांच आदि साथियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिला स्तर के मास्टर ट्रेनर ने ग्राम पंचायत सचिव एवं अन्य प्रशिक्षणार्थियों को रखा गया प्रशिक्षण सत्र में आदि साथियों को ग्राम की मुलभुत सुविधाओं को चिन्हित कर मैप तैयार करने हेतु बताया गया जो कि आगे भविष्य में काम आवे सी ई ओ विमला एवं ए डि ओ अजय नेटी के मार्गदर्शन में संपन्न हुई आदि कर्म योगी अभियान एक राष्टीय जन आंदोलन है जिसका उद्देश्य भारत के विशेष समुदायो को सशक्त बनाने

उत्तर दायी शासन को मजबूत करना 2047 तक एक विकसित भारत के दृष्टिकोण को प्राप्त करने की दिशा में एक दूर दर्शी कदम है बीस लाख से अधिक योग्य ओर प्रेरित नेताओं को तैयार करेगा जो सामाजिक परिवर्तन के उत्प्रेरक रूप में कार्य करेंगे आदि कर्म योगी अभियान सिर्फ एक योजना नहीं बल्कि एक राष्टीय व्यापती जन आंदोलन है जो केन्द्र से लेकर दुरस्त विशेष समुदायो तक फैलेगा स्थानीय ज्ञान और पारंपरिक ज्ञान को बढ़ावा देगा और स्वदेशी संस्कृति और भाषाओं की रक्षा करेगा यह जमीनी स्तर पर योजना में सुधार करेगा और जनजातीय समुदायों व राज्य संस्थानों के बीच एक मजबूत सेतु बनाऐगा प्रमुख मंत्रालय और विभाग एक साथ मिलकर काम करेंगे जिससे योजनाओं का बेहतर समन्वय और कार्यान्वयन सुनिश्चित हो सके समुदायों के भीतर काम करने वाले सरकारी अधिकारी युवा नेता शिक्षक सामाजिक कार्यकर्ता आदि विभिन्न पृष्ठ भूमि के व्यक्ति को प्रशिक्षित और प्रेरित किया जायेगा।

ग्राम पंचायत सोनहत में पंद्रहवें वित्त पैसा का भारी बंदर बांट चरम पर

छ.ग.फ्रंटलाइन

सोनहत। सोनहत के ही ग्राम पंचायत में आन लाइन बिल में भारी संख्या में पैसा का अफरा तफरी किया गया है जिससे ग्राम वासियों में खासा नाराजगी देखने को मिल रहा है ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत के ग्राम सभा में जानकारी मांगने पर सचिव संरपच के द्वारा संतोष जनक उत्तर नहीं दिया जाता है जैसे ग्राम पंचायत में दो नग टेबल एक नग कुर्सी का एक नग अलमारी का 48150 रूपये का भुगतान इनके द्वारा किया गया है एवं पैन्टीगं के नाम पर 15000 रुपये का भुगतान किया गया है नाली सफाई के नाम पर 134200 रूपये डोर गेट 11750 रूपये एवं ग्राम पंचायत की पोताई 49500 रूपये इत्यादि और भी इसी प्रकार बहुत सारा काम इनके द्वारा बताया जा रहा है लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि ऐसा कहीं पर भी काम नहीं हुआ है ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने 12/09/25 को एस डि एम सोनहत को आवेदन देकर जांच की मांग की है ग्रामीणों में भगंवती पंच शान्ति पंच सुमित्रा पंच अनिसका साहु मन्धारी पंच जय करन साहु पंच उमा साहु प्रदीप साहु अशोक कुमार कमला मोहन प्रसाद लालजी साहु प्रीति लता पंच रीता चौधरी राजेश कुमार ने लिखित में आवेदन अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोनहत को दिये है एवं जांच कर दोषियों के ऊपर कठोर कार्रवाई करने की मांग की है।

मेरा रेशम मेरा अभिमान अंतर्गत जिले में आयोजित किए गए कार्यक्रम

जशपुरनगर। राष्ट्रीय अभियान मेरा रेशम मेरा अभिमान के अंतर्गत विगत दिवस 11 सितम्बर 2025 को जशपुर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें भेलवा में कोकून की कटाई एवं संभाल पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें सही समय पर कटाई, कोकून की छंटाई, माला बनाना तथा ग्रेडिंग जैसे पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 60 किसानों ने भाग लिया और अपनी समस्याओं पर प्रश्न पूछे। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. निधि सुखिजा द्वारा श्याम कुमार, ए.डी.एस., जशपुर के सहयोग से किया गया। इसमें सी. आर. यादव, वन परिक्षेत्र अधिकारी तथा जेवियर टोको, क्षेत्रीय अधिकारी (रेशम) ने भी सहभागिता की। भेलवा क्षेत्र 32 सेरीसाइट्स एवं 750 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला हुआ है और कोकून उत्पादन का हॉटस्पॉट माना जाता है। इसी तरह बिहावल में सेरीकल्चर प्रौद्योगिकियों पर क्षेत्रीय प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

डीडब्ल्यूपीएस ने शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार 2025 जीतकर रचा कीर्तिमान

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। मनेंद्रगढ़ ने एक बार फिर गर्व का पल महसूस किया है। दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, मनेन्द्रगढ़ ने सी-फोर स्कूल एक्सीलेंस अवार्ड 2025 जीतकर शिक्षा के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस उपलब्धि के तहत विद्यालय को मनेन्द्रगढ़ का सर्वश्रेष्ठ डे को-एड स्कूल घोषित किया गया और नंबर-1 रैंकिंग प्रदान की गई। यह सम्मान 10 सितम्बर 2025 को नई दिल्ली स्थित होटल विवांता, द्वारका में आयोजित एक भव्य समारोह में दिया गया। पुरस्कार को सनबीम डायरेक्टर अभिनव सिंह ने ग्रहण किया। विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि यह सम्मान सिर्फ संस्थान का ही नहीं बल्कि पूरे मनेन्द्रगढ़ का गौरव है। यह उपलब्धि विद्यालय के उच्च शैक्षणिक मानकों, बच्चों के सर्वांगीण विकास, अनुशासन और

मूल्य-आधारित शिक्षा का प्रत्यक्ष प्रमाण है। विद्यालय की डायरेक्टर पूनम सिंह ने कहा कि यह पुरस्कार हमारे शिक्षकों की मेहनत, अभिभावकों के विश्वास और विद्यार्थियों की निरंतर लगन का परिणाम है। डीडब्ल्यूपीएस मनेन्द्रगढ़ सदैव बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य देने के लिए संकल्पित है। विद्यालय की प्राचार्य ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुरस्कार केवल हमारी संस्था का नहीं, बल्कि पूरे मनेन्द्रगढ़ का सम्मान है। हमारे शिक्षक, विद्यार्थी और अभिभावक सभी इस उपलब्धि के हकदार हैं। यह सम्मान हमें और अधिक समर्पण तथा उत्साह के साथ शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता बनाए रखने की प्रेरणा देता है। स्थानीय अभिभावकों और विद्यार्थियों में भी इस सम्मान को लेकर खुशी की लहर है। सभी ने विद्यालय की इस उपलब्धि को मनेन्द्रगढ़ के लिए ऐतिहासिक बताया।

जिला सैनिक कल्याण के अधिकारी जितेन्द्र कुमार देवांगन ने किया पदभार ग्रहण

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। छत्तीसगढ़ के माटिपुत्र रायगढ़ के निवासी लेफ्टिनेन्ट कर्नल जितेन्द्र कुमार देवांगन ने 09 सितम्बर 2025 को जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, बैकुण्ठपुर, में पदभार ग्रहण किया है। ये जिला रायगढ़ के प्रथम और छत्तीसगढ़ के चौथे थल सेना अधिकारी है जिनकी नियुक्ति इस पद पर हुई है। कर्नल श्री देवांगन ने कोरिया जिला एवं एमसीबी जिले के समस्त भुतपूर्व सैनिकों, सैन्य विधवाओं को राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाली नवीनतम कल्याणकारी योजनाओं, आर्थिक अनुदान को दिलवाने का संकल्प लिया है। संचालनालय सैनिक कल्याण, छत्तीसगढ़ के कुशल मार्गदर्शन और नेतृत्व में जिला कोरिया के समस्त भुतपूर्व सैनिक लाभवान्वित होंगे।

बिशुनपुर का अमृत सरोवर बना ग्रामीणों के लिए आजीविका गतिविधियों का केंद्र

- पहले से तीन गुना ज्यादा जलभराव में मछलीपालन तथा 14 एकड़ में सिंचाई की सुविधा

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। मानव निर्मित तालाब प्रकृति में जलसंरक्षण एवं भूमिगत जल संवर्धन की सबसे प्राचीन व्यवस्था है। इसे आगे बढ़ाते हुए भारत सरकार ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा बीते वर्षों से मिशन अमृत सरोवर नामक अभियान चलाया गया है जिसका लाभ अब ग्रामीण क्षेत्रों में परिलक्षित होने लगा है। बैकुण्ठपुर जनपद पंचायत के ग्राम बिशुनपुर में एक पुराना तालाब गाद जमने से अनुपयोगी हो गया था परंतु मिशन अमृत सरोवर के तहत उसके नवीनीकरण के बाद यह ग्राम पंचायत का एक बेहतरीन बहुपयोगी जल संसाधन बन गया है। आज इस अमृत सरोवर में पहले से तीन गुना ज्यादा जलभराव क्षमता हो चुकी है और अब आस पास के कई एकड़ खेतों में सिंचाई के लिए इस संसाधन का उपयोग हो रहा है। साथ ही यहां होने वाली मछलीपालन जैसी आजीविका

गतिविधियों से महिलाओं के समूह को एक अतिरिक्त स्वरोजगार भी मिल रहा है।

ऐसे तालाब जिनका क्षेत्रफल एक एकड़ या उससे अधिक है और वह गाद जमने या अतिक्रमण का शिकार होकर अनुपयोगी हो चले हैं उन्हे इस अभियान के तहत चयनित किया गया है। उनका जीर्णोद्धार करते हुए कम से कम 10 हजार घनमीटर जलभराव क्षमता लायक बनाया गया और इन तालाबों में मछलीपालन जैसी आजीविका गतिविधियों को सुनिश्चित किया गया है। साथ ही जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए यहां राष्ट्रीय पर्वों पर ध्वजारोहण, स्वच्छता अभियान, पौधारोपण, योग दिवस जैसी कई गतिविधियों को संपादित कराया जा रहा है। बैकुंठपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बिशुनपुर में स्थित तालाब को ग्राम पंचायत के प्रस्ताव के आधार पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में मिशन अमृत सरोवर के अंतर्गत नवीनीकरण कार्य हेतु 9 लाख 14 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। कार्य की एजेंसी ग्राम पंचायत द्वारा कार्य पूर्णता के बाद इस तालाब के एक एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में 10 हजार घनमीटर से ज्यादा जलभराव क्षमता हो गई है। यह इसकी जलभराव की पूर्व क्षमता से लगभग तीन गुना ज्यादा हो गई है। अमृत सरोवर बन जाने के बाद बिशुनपुर के दर्जनों ग्रामीणों के लिए यह एक आजीविका का माध्यम बनकर तैयार हो गया है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि इस तालाब का सीधा फायदा यहां निवासरत 41 परिवारों को खेती में सिंचाई के संसाधन के तौर पर और मछलीपालन की आजीविका से हो रहा है। अमृत सरोवर बिशुनपुर से आसपास के किसानों के कुल 14 एकड़ खेतों में सिंचाई की सुविधा बढ़ गई है तथा 200 स्थानीय पशुओं के लिए बारहमासी पेयजल उपलब्ध हो रहा है।

ग्राम पंचायत बिशुनपुर में अमृत सरोवर अब आजीविका का एक संसाधन बन गया है। यहां कार्यरत स्थानीय स्व सहायता महिला समूह को मछली पालन से प्रतिवर्ष 2 लाख तक की आय हो रही है। ग्राम पंचायत ने महिला सहायता समूह को यह तालाब मछलीपालन के लिए लीज पर आवंटित किया है जिससे ग्राम पंचायत को भी एक निश्चित आय प्राप्त हो रही है। मिशन अमृत सरोवर के तहत नवीनीकृत हो चुके से इस तालाब के किनारे अब निरंतर सामुदायिक गतिविधियां का आयोजन किया जाता है। इससे यह एक अलग पहचान बना रहा है। सामूहिक सहभागिता के लिए जनप्रतिनिधियों द्वारा यहां राष्ट्रीय पर्व पर ध्वजारोहण किया जाता है। साथ ही जनभागीदारी से साफ-सफाई अभियान भी चलाया जाता है। सरोवर तट पर स्थानीय जनों के पौधरोपण, विश्व योग दिवस पर योगाभ्यास जैसी गतिविधियों से यह गांव का एक महत्वपूर्ण सहभागिता केंद्र बनकर उभर रहा है।

महाविद्यालय में रजत जयंती के उपलक्ष्य में हेतु भव्य विविध आयोजन सम्पन्न

एमसीबी। शासकीय विवेकानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय मनेंद्रगढ़ में सात दिवसीय छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के गौरवमयी 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में एवं वर्ष 2047 तक छत्तीसगढ़ राज्य को विकसित राज्य बनाने के दृष्टि से शासन के निर्देशानुसार कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. श्राबनी चक्रवर्ती के मार्गदर्शन एवं डॉ. सरोजबाला श्याग विश्नोई के संयोजन में हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छात्रा जया शर्मा बी.कॉम. तृतीय वर्ष ने प्रथम स्थान, साक्षी बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर ने द्वितीय स्थान एवं राजकुमार बी.ए. तृतीय सेमेस्टर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने छत्तीसगढ़ राज्य की 25 वर्षो की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला तथा 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ की कल्पना पर अपने विचार व्यक्त किये। साथ ही छात्र-छात्राओं ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और संस्कृति के क्षेत्र में तेजी से प्रगति एवं डिजिटल तकनीकी मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के दूसरे चरण में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छत्तीसगढ़ सामान्य ज्ञान से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता कराया गया जिसमें राजकुमार यादव बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर ने प्रथम स्थान, आयुष कुमार सिंह एम.एससी. रसायनशास्त्र तृतीय सेमेस्टर ने द्वितीय स्थान एवं वारिस अहमद एम.ए. प्रथम सेमेस्टर, वंदना तिवारी एमएससी. रसायन शास्त्र तृतीय सेमेस्टर, साक्षी गुप्ता एम.एससी. रसायनशास्त्र प्रथम सेमेस्टर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्र-छात्राओं में पुस्तकों के प्रति प्रेम भावना बढ़ाने के लिए महाविद्यालय में भव्य पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। मेले में विभिन्न प्रकाशकों एवं संस्थाओं ने अपनी पुस्तकों का प्रदर्शन किया। गायित्री परिवार मनेन्द्रगढ़ से डी.के. जायसवाल, शिवकुमार नागर, टंकेश्वर विशाल गायत्री परिवार कल्याणपुर एवं गायत्री परिवार अंबिकापुर से सेवानिवृत्त शिक्षा विभाग के शिक्षक कृष्ण प्रताप गुप्ता ने अखिल भारतीय विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के द्वारा लिखित साहित्य एवं मथुरा द्वारा प्रकाशित साहित्य, गीता प्रेस गोरखपुर का साहित्य, रामकृष्ण विवेकानंद समिति का साहित्य पुस्तक मेला में उपलब्ध कराया।

अर्जुना प्रकाशन से विजय कुमार द्विवेदी एवं राकेश पाण्डेय, सिविल पब्लिकेशन एण्ड बुक सप्लायर बिलासपुर से श्रीमती मोनिसा सिंह तथा ज्ञान कलश बुक एण्ड स्टेशनरी बैकुंठपुर से कलश देवी ने अपनी पुस्तकें प्रदर्शित की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धर्मेन्द्र पटवा उपाध्यक्ष नगरपालिका परिषद मनेंद्रगढ़ ने प्रदर्शकों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल पठन-पाठन की संस्कृति को बढ़ावा देते है बल्कि विद्यार्थियों को ज्ञान और साहित्य को जोड़ने का कार्य भी करते है।

कछौड़ एवं पहाड़हंसावही शा. वि. में साइबर क्राइम और महिला सुरक्षा कानूनों की दी गई जानकारी

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। जिले में कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.के. खाती के मार्गदर्शन और जिला बाल संरक्षण अधिकारी सुश्री कोमल सिंह के नेतृत्व में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कछौड़ एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहाड़हंसवाही में बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को बालिकाओं की सुरक्षा और बाल विवाह रोकथाम से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में

विशेषज्ञों द्वारा गुड टच और बैड टच की पहचान, साइबर सुरक्षा के महत्व तथा बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए विभिन्न कानूनों की विस्तृत जानकारी साझा की गई। उपस्थित विद्यार्थियों को चाइल्डलाइन आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 1098, महिला सुरक्षा हेल्पलाइन 181, आपातकालीन सेवा नंबर 112 तथा अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं के बारे में जागरूक किया गया, ताकि संकट की घड़ी में वे इनका उपयोग कर सकें। बालिकाओं को उनके अधिकारों की जानकारी देते हुए उन्हें आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनने का संदेश दिया गया। इसके साथ ही सोशल मीडिया और साइबर अपराध के बढ़ते खतरे पर चर्चा कर बच्चों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस आयोजन ने न केवल बच्चों और बालिकाओं को जागरूक किया बल्कि उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में समाज में अपनी सुरक्षा और अधिकारों को लेकर सजग रहने का संकल्प भी दिलाया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा